CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-309
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जिस व्यक्ति में सफलता के लिए आशा और आत्मविश्वास है, वही व्यक्ति उच्च शिखर पर पहुंचते हैं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 13 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

छिंदवाड़ा में बिल्लियों में बर्ड फ्लू

मचा हड़कंप, पूरे एरिया में नॉनवेज पर बैन

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में बिल्लियों के एच5एन1 पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रशासन ने एक्शन लिया है। प्रभावित घरों के 1 किमी के दायरे में चिकन और मटन की बिक्री और खपत पर रोक लगा दी गई है। शहर के बाकी हिस्से और पास के लिंगा गांव पंचायत को निगरानी में रखा गया है। यह फैसला बिल्लियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद लिया गया है। छिंदवाड़ा के जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया कि बिल्लियों के सैंपल पॉजिटिव आए हैं। जहां ये बिल्लियां हैं उन परिवारों को क्वारंटाइन किया गया है। 1 किमी के दायरे में 30 दिनों के लिए चिकन-मटन की बिक्री और खपत पर रोक लगा दी है। क्षेत्र की सभी दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। उपलब्ध पोल्ट्री उत्पादों को नष्ट कर दिया गया है। क्षेत्र के रेस्टोरेंट्स को नॉन-वेज परोसने से मना किया गया है। अगले आदेश तक चिकन-मटन उत्पादों के प्रवेश पर रोक रहेगी। 1 किमी के अलावा, 10 किमी के दायरे वाले क्षेत्र को सर्विलांस जोन में रखा गया है। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र पर खास नजर रखी जा रही है। अगर कोई भी लक्षण दिखाई देता है, तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

बिल्लियों में एच5एन1 चिंता का विषय एच5एन1 बर्ड फ्लू का एक प्रकार है, जो पक्षियों में पाया जाता है। लेकिन यह कभी-कभी अन्य जानवरों में भी फैल सकता है। इसलिए एहतियात के तौर पर प्रशासन ने यह कदम उठाया है। बिल्लियों का एच5एन1 पॉजिटिव आना चिंता का विषय है। इससे पता चलता है कि वायरस जानवरों में फैल रहा है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

सावधानी रखने की अपील प्रशासन ने सावधानी रखने की अपील की है। कच्चा मांस न छुएं। मांस को अच्छी तरह पकाकर खाएं। हाथों को साबुन से धोएं। अगर किसी जानवर में बीमारी के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने कहा कि बिल्लियों के सैंपल पॉजिटिव आए हैं। उन परिवारों को क्वारंटाइन किया गया है। सभी दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। पोल्ट्री उत्पादों को नष्ट कर दिया गया है। 10 किमी के दायरे वाले क्षेत्र को सर्विलांस जोन में रखा गया है।

फ्लैग-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का कर्टेन रेज- सीएम डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में उद्योगपतियों-निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

अवाडा ग्रुप मप्र में करेगा 50 हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश की राजधानी नई दिल्ली में इन्वेस्ट एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का कर्टेन रेज किया। बुधवार को ताज महल होटल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने उद्योगपतियों-निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। सीएम डॉ. यादव ने देश-विदेश के निवेशकों को जीआईएस में शामिल होने और मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार परमात्मा जीवन में कुछ अलग करने का मौका देता है, उसके साथ-साथ अनुकूलता भी बनाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होने जा रहा है। भारत के उद्योगपति-निवेशक आगे बढ़ेंगे, तो ही देश आगे बढ़ेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में जनतंत्र मजबूत हो रहा है। देश के लिए चारों तरफ अनुकूल परिस्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत सबसे युवा देश है। इसलिए युवाओं के विकास के लिए अलग सोच रखनी पड़ेगी। उद्योगपति कई लोगों के पेट भरकर देवताओं की भूमिका निभाते हैं। हमारे पास सभी सेक्टरों में विकास के अवसर हैं। हमारे राज्य में आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-प्राकृतिक शक्ति की भरमार है। उन्होंने कहा कि इसलिए मैं आप सभी को जीआईएस में आने के लिए आमंत्रित करता हूं।

काफी मजबूत है मध्यप्रदेश कार्यक्रम की शुरुआत सीआईआई के चेयरमैन (नॉर्दर्न रीजन) और जेके सीमेंट के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर-सीईओ माधवकृष्ण सिंघानिया के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने ईज ऑफ डुइंग पर विशेष ध्यान दिया। मध्यप्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक तौर पर काफी मजबूत है। प्रदेश में निवेश के लिए सभी अनुकूल परिस्थितियां हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम डॉ. यादव नई-नई नीतियां लाकर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जा रहे हैं।

हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि हमने प्रदेश में 50 हजार करोड़ का निवेश तय किया है। हम भारत सरकार के प्रोजेक्ट को भी प्रदेश में ला रहे हैं। हम हजारों युवाओं को रोजगार देने जा रहे हैं। प्रदेश में ईज ऑफ डुइंग है। यहां आने वाली समस्याओं-चुनौतियों का जल्द समाधान होता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जुनुनी हैं। वे प्रदेश के विकास के लिए हर तरह का प्रयास कर रहे हैं। वे उद्योगपतियों के सुझावों को तत्काल लागू भी कर देते हैं। प्रदेश में ग्रीन पावर की पूरी क्षमता है।

प्रदेश में हर सेक्टर के लिए बहुत कुछ कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की हैं। इससे प्रदेश को करीब साढ़े तीन लाख करोड़ का निवेश भी मिला है। भोपाल खूबसूरत शहर है। यहां निवेशक जीआईएस के साथ-साथ आप प्रकृति का आनंद भी उठाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पास ऊर्जा का भंडार है। प्रदेश सोलर एनर्जी के हब की तरह है। मध्यप्रदेश में पानी की कोई कमी नहीं है। यहां निवेशकों के लिए जबरदस्त कानून व्यवस्था है। प्रदेश शांत राज्य है। यहां निवेशकों को लेबर भी सस्ती मिल जाती है। जो मध्यप्रदेश आता है, वो यहीं का हो जाता है। राज्य सरकार ने हर सेक्टर के लिए पॉलिसी बनाई है। प्रदेश में कंपनी एक ही दिन में रजिस्टर हो जाती है। इसकी तारीफ जर्मनी भी कर चुका है।

30 की जगह 10 अनुमतियां ही लेनी होंगी मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि हमने ईज ऑफ डुइंग पर फोकस किया है। नई पॉलिसी के तहत अब निवेशकों को तीस की जगह दस अनुमतियां ही लेनी होंगी। उद्बोधन के बाद प्रमुख सचिव जैन ने निवेशकों को जीआईएस के लिए आमंत्रित किया।

कर्टेन रेजर के वीडियो में दिखीं एमपी की विशेषताएं जीआईएस-2025 के कर्टेन रेजर ईवेंट के दौरान अतिथियों को एक वीडियो भी दिखाया गया। इस वीडियो में प्रदेश के विकास की प्रदर्शनी थी। इसमें दिखाया गया कि प्रदेश न केवल आध्यात्मिक-सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है, बल्कि यहां उद्योगों की भी भरमार है। वीडियो में प्रदेश की सभी विशेषताओं को शामिल किया गया। इसमें यह भी बताया गया कि मध्यप्रदेश सभी तरह के निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रदेश हर तरह से हर चुनौती के लिए सक्षम है। बता दें, जीआईएस का आयोजन 24-25 फरवरी को भोपाल में होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को इस वैश्विक सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। समिट के दूसरे दिन समापन कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शामिल होंगे।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लगाई संगम में डुबकी, योगी ने कसा तंज

प्रयागराज। महाकुंभ में बुधवार को माघ पूर्णिमा के मौके पर शाम 6 बजे तक 2 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाई। उनके साथ बेटे पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मुकुंद तिवारी ने भी स्नान किया। दिग्विजय सिंह ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का भी आशीर्वाद लिया। दिग्विजय सिंह को दो दिन पहले ही संगम स्नान के लिए आना था लेकिन जाम की वजह से उन्होंने कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। इसी क्रम में बुधवार को वह आए। कांग्रेस नेता ने संगम में डुबकी लगाने के साथ मौनी अमावस्या को हुए हादसे के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

श्रद्धालुओं को कई किमी पैदल चलना पड़ा। यदि इतने लोगों को बुलाया गया है तो व्यवस्था भी होनी चाहिए थी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ आस्था का पर्व है। वह हर बार स्नान के लिए आते रहे हैं। महाकुंभ जैसे आयोजन को लेकर किसी तरह की राजनीति ठीक नहीं है। उधर, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर अंगुली उठा रहे थे, वे अब चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे हैं। 26 फरवरी तक कुंभ भव्यता से चलता रहेगा और श्रद्धालु लाभ उठाते रहेंगे। महाकुंभ में कल तक 50 करोड़ लोग डुबकी लगा लगेंगे।

जनवरी में रिटेल महंगाई घटकर 4.31% पर आई, यह 5 महीने का निचला स्तर

नई दिल्ली। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी में रिटेल महंगाई 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई है। अगस्त में महंगाई 3.65% पर थी। इससे पहले दिसंबर में महंगाई 5.22% रही थी। आज यानी 12 फरवरी को सरकार ने रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए। महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 8.39त्न से घटकर 6.02% हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 5.76% से घटकर 4.64% और शहरी महंगाई 4.58% से घटकर 3.87% हो गई है।

आईएसबीटी की जमीन आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप

उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस विधायक हेमंत कटोर के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया है। इन पर अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल योजना में भूखंड के आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप है। ईओडब्ल्यू ने हर्षवर्धन नगर के सीआर दत्ता की भूमि आवंटन से संबंधित शिकायत पर कार्यवाही की है। ईओडब्ल्यू के अनुसार भोपाल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स के पार्टनर्स हेमंत कटारे, योगेश कटारे ने मिलीभगत कर अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल योजना में भूखंड के आवंटन में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। जिसकी जांच में पाया गया कि योजना में पहले नियम विरुद्ध भूखंड आवंटन किया गया। फिर आवंटित भूखंड का भूमि उपयोग भी नियम विरुद्ध बदल कर व्यवसायिक कर दिया गया। बीडीए के अधिकारियों ने मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स के पार्टनर्स को अनुचित तरीके से लाभ पहुंचाते हुए आवंटित प्लाट की कीमत का निर्धारण भी बिना निविदा के किया गया। ईओडब्ल्यू ने मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स के पार्टनर्स हेमंत कटारे, योगेश कटारे, मीरा कटारे, रुचित कटारे के साथ भोपाल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के तत्कालीन सीईओ केपी सही, ओएसडी मनोज वर्मा समेत अन्य के खिलाफ अपराधिक षड्यंत्र करना का मामला प्राथमिक जांच में पाया है। इस मामले में भोपाल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों एवं हाई स्पीड मोटर्स के साझेदारों के विरूद्ध धारा 120 बी, 420, 468, 471 भा.द.वि एवं 13(2) सहपठित धारा 3 (1) (डी) का अपराध रजिस्ट्रर किया गया है।

भारत ने इंग्लैंड को 142 रन से तीसरा वनडे हराया:सीरीज 3-0 से जीती

अहमदाबाद। भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लिश टीम 34.2 ओवर में 214 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

भारत से ओपनर शुभमन गिल ने सेंचुरी लगाई। श्रेयस अय्यर ने 78, विराट कोहली ने 52 और केएल राहुल ने 40 रन बनाए। हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को 2-2 विकेट मिले। इंग्लैंड से एक भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, आदिल रशीद ने 4 विकेट लिए।

1984 के सिख विरोधी दंगे के मामले में 41 साल बाद न्याय: कांग्रेस नेता ने पिता-पुत्र की हत्या करवाकर घर में लगवा दी थी आग

नई दिल्ली। 1984 के सिख विरोधी दंगे के एक और मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को सरस्वती विहार में बाप-बेटे की हत्या के मामले में दोषी पाया गया है। सज्जन कुमार की सजा पर 18 फरवरी को बहस होगी। दंगे की ही एक अन्य केस में वह इस समय उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में बड़े पैमाने पर सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। राउज एवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज कावेरी बवेजा ने बुधवार को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया। जिस वक्त फैसला सुनाया गया, सज्जन कुमार अदालत में ही मौजूद थे। सज्जन कुमार पिछले 6 साल से जेल में बंद हैं, उन्हें जेल से कोर्ट लाया गया था। अब 18 फरवरी को बहस के बाद अदालत की ओर से सजा तय की जाएगी।41 साल पहले हुए इस दंगे में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को बेरहमी से मार डाला गया था। शुरूआत में पंजाबी बाग पुलिस थाने में यह केस दर्ज किया गया था बाद में इसे एसआईटी को सौंपा गया। सज्जन कुमार को प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को आरोप तय किए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद एक भीड़ घातक ने हथियारों से लैस होकर सिखों से 'बदला' लेने के लिए बड़े पैमाने पर लूटपाट, आगजनी की। भीड़ ने शिकायतकर्ता के घर पर जाकर लूटपाट की, पति और बेटे को मार डाला और इसके बाद घर में आग लगा दी थी। कोर्ट ने पाया कि सज्जन कुमार ना सिर्फ इसमें शामिल थे बल्कि भीड़ की अगुआई कर रहे थे।

भीड़ को उकसाने का आरोप शिकायतकर्ता के मुताबिक, सज्जन कुमार ने भीड़ को हमला करने के लिए उकसाया था। उनके उकसाने के बाद दंगाइयों की भीड़ ने जसवंत सिंह और तरुण दीप सिंह को जिंदा जला दिया था। दंगाइयों ने न केवल हत्या की बल्कि पीड़ितों के घर में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी को भी अंजाम दिया। शिकायतकर्ता की ओर से तत्कालीन रंगनाथ मिश्रा की अध्यक्षता वाले जांच आयोग के समक्ष दिए गए हलफनामे के आधार पर उत्तरी जिले के सरस्वती विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 147,148,149,395,397,302,307, 436 और 440 की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे।

पहले तीन बार टल चुका है फैसला 31 जनवरी 2025 को हुई सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार पर फैसला टाल दिया था। इससे पहले 8 जनवरी और 16 दिसंबर 2024 को भी फैसला टाला गया था। दोनों बार विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की कोर्ट में तिहाड़ में बंद सज्जन कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पेश हुए थे। दिसंबर 2021 को सज्जन कुमार ने इस मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए ट्रायल का सामना करने की बात कही थी। ट्रायल में सज्जन कुमार को दोषी माना गया था। इसके बाद उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

इस मामले में हो चुकी है उम्रकैद 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद दिल्ली में पांच सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जला दिया गया था। इसी केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 लोगों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। दरअसल, सुल्तानपुरी इलाके में 1984 के सिख दंगों के दौरान 3 लोगों की हत्या हुई थी।

इस तरह बढ़ता गया सज्जन कुमार का राजनीतिक करियर सज्जन कुमार ने अपना राजनीतिक जीवन पार्षद के तौर पर शुरू किया था। वे 1977 में जब पहली बार पार्षद बने तो उन्हें प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता गुरु राधा किशन ने शपथ दिलाई थी। उस समय दिल्ली में किसी कांग्रेसी का पार्षद चुना जाना बड़ी बात थी। बाद में उन्हें दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) का महासचिव नियुक्त किया गया। 1980 में वे सातवीं लोकसभा के लिए चुने गए। 1991 में वे फिर लोकसभा के लिए चुने गए। 2004 में उन्होंने बाहरी दिल्ली सीट पर देशभर में अब तक के सबसे अधिक मतों, 855,543 से जीतने का रिकॉर्ड कायम किया था, लेकिन 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित एक मामले में दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

स्टार चौराहे से जमजम चौराहे तक बनेगी मास्टर प्लान की सड़क

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के स्टार चौराहे से जमजम चौराहे तक मास्टर प्लान की सड़क बनने जा रही है। 29.25 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण होगा। इस सड़क की लंबाई 2 किमी और चौड़ाई 30 मीटर रहेगी। बुधवार को इस काम का भूमि पूजन किया गया। महापौर ने स्थानीय लोगों से कहा कि यह सड़क भविष्य के इंदौर के लिए मील का पत्थर साबित होगी और आगामी सिंहस्थ की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगी। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया शहर के विकास को गति देते हुए विशेष केंद्रीय सहायता के अंतर्गत स्टार चौराहे

से जमजम चौराहे तक सड़क निर्माण काम का महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, आयुक्त शिवम वर्मा ने भूमिपूजन किया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, नंदकिशोर पहाड़िया, पार्षद उस्मान पटेल, रुबीना खान, स्थानीय पार्षद सहित निगम प्रशासन और रहवासी शामिल हुए।

स्टॉर्म वाटर लाइन, सेंटर लाइट सहित होंगे कई काम

यह महत्वपूर्ण सड़क 2 कि.मी. लंबी होगी और इंदौर विकास योजना 2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ी 6 लेन सीमेंट कांक्रीट कैरिज-वे के रूप में विकसित की जाएगी। इस सड़क के निर्माण में सेंट्रल मीडिअन, स्टॉर्म वाटर लाइन, फुटपाथ, सेंटर लाइट, इलेक्ट्रिक लाइन शिफ्टिंग आदि काम शामिल हैं। इसके अलावा जमजम चौराहा से रिंग रोड तक 18 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे रिंग रोड से स्टार चौराहा तक यातायात सुगम होगा और रिंग रोड पर यातायात का दबाव कम होगा। इस परियोजना से खजराना गणेश मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर रास्ता उपलब्ध होगा और रहवासियों को भी आने जाने में सुविधा मिलेगी।

भविष्य के इंदौर के साथ सिंहस्थ की तैयारी भी

महापौर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि 2047 के इंदौर की कल्पना से शहर की 25 मास्टर प्लान की सड़कों का काम शुरू कर दिया गया है। आज स्टार चौराहे से जमजम चौराहे तक की 29 करोड़ की लागत से जो सड़क बनना है, उसका काम शुरू हो रहा है। भविष्य के इंदौर में सड़कों का बहुत बड़ा महत्व है और इंदौर के इतिहास में पहली बार मास्टर प्लान की 25 सड़कों के काम से एक साथ शुरू हो रहे हैं। ये अपने आप में इंदौर को विकास की नई दिशा पर ले जाएगा, जहां 22 से ज्यादा पुल, 25 से ज्यादा सड़कें, 2 हजार करोड़ से ज्यादा की लागत से ड्रेनेज-पानी के काम हो रहे हैं। जो भविष्य के इंदौर के साथ-साथ सिंहस्थ की तैयारी भी कर रहे हैं।

इंदौर-सनावाद रेल परियोजना में दो गुना पौधे लगाने होंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर को सीधे खंडवा से जोड़ने वाली इंदौर-सनावद रेलवे लाइन गेज परिवर्तन को लेकर अब वन विभाग ने भी सक्रियता दिखाई है। दरअसल, चल रहे काम में मुक्तियारा-बलवाड़ा के बीच काटे जाने वाले पेड़ों की जगह उसकी तुलना में 10 गुना पेड़ लगाना है। जिसके लिए जगह की जरूरत है। इंदौर के मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय) को एचएस मोहंता अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने पत्र लिखा है। जिसमें एक माह में कार्रवाई करने के लिए कहा है। पत्र में यह भी लिखा है कि इस प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग सीधे पीएमओ से हो रही है। कई बार इस प्रकरण के संबंध में शासन स्तर पर भी चर्चा की जा चुकी है।

454.127 हेक्टेयर वनभूमि प्रभावित हो रही

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पत्र में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक मोहंता ने कहा कि इंदौर डीएफओ ने जानकारी दी है कि इस योजना में 454.127 हेक्टेयर वनभूमि प्रभावित हो रही है। जिसमें से इंदौर वन मंडल की 407.922 हेक्टेयर एवं बड़वाह वन मंडल की 46.2050 हेक्टेयर जमीन है। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस तरह प्रकरणों में दो गुने वन क्षेत्र में रोपण किया जाना है। इस प्रकरण में प्रभावित वन भूमि 454.127 हेक्टेयर का दुगना 909.00 हेक्टेयर रोपण के लिए दोगुने बिगड़े वन क्षेत्र की

जरूरत होगी।

एक माह में प्रस्ताव भिजवाएं

इंदौर के डीएफओ ने अपने पत्र में बताया है कि झाबुआ वन मंडल में 571 हेक्टेयर की रोपण योजना तैयार करा ली गई है। शेष 338 हेक्टेयर बिगड़े वन क्षेत्र चयन की आवश्यकता है। योजना जल्द तैयार करवाएं। एक माह में समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए प्रस्ताव इस कार्यालय को भिजवाएं, ताकि प्रकरण में स्वीकृति प्राप्त करने की कार्रवाई की जा सके।

नई रेलवे लाइन इंदौर, महू, चोरल, बड़वाह व खरगोन के जंगलों से गुजरेगी। नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए इंदौर वन विभाग के अधीन इंदौर, महू, चोरल की 300 से ज्यादा हेक्टेयर जमीन वन विभाग दे रहा है। नई रेलवे लाइन डालने के लिए जितने पेड़ कटेंगे, उसकी क्षतिपूर्ति के लिए इंदौर वन विभाग को रेलवे 10 गुना पेड़ लगाने के लिए भारी-भरकम राशि देगा, मगर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इंदौर वन विभाग को शासन 10 गुना ज्यादा जमीन इंदौर जिले में कहां से देगा, इसलिए अब जमीन तलाशना सबसे बड़ी चुनौती है।

2 रुपए किलो बिक रहा टमाटर, किसानों को नहीं मिल रही लागत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देशभर में टमाटर की बंपर फसल होने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल टमाटर के दाम 100 से 160 रुपये प्रति किलो तक पहुंचे थे, जिससे किसानों ने इस बार दो से तीन गुना अधिक टमाटर की फसल लगा दी। लेकिन अब हालात यह हैं कि इंदौर की थोक मंडी में टमाटर मात्र 2 से 5 रुपये किलो बिक रहा है, जिससे किसानों को लागत तक नहीं मिल पा रही। इंदौर और उसके आसपास के 100-125 किलोमीटर के क्षेत्र में भारी पैदावार के कारण मंडी में टमाटर की भरमार हो गई है। अकेले मध्यप्रदेश में ही डेढ़ लाख कैरेट टमाटर तैयार है, लेकिन कम कीमत के कारण किसान मंडी तक माल ले जाने से भी कतरा रहे हैं। महाराष्ट्र, उत्तर भारत और दक्षिण भारत में भी यही स्थिति बनी हुई है, जहां किसान बंपर उत्पादन के बावजूद सही दाम न मिलने से परेशान हैं। टमाटर की अधिकता के बावजूद इस बार जूस कंपनियां भी बाजार से माल नहीं उठा रही हैं। आमतौर पर जब टमाटर के दाम गिरते हैं, तो जूस कंपनियां इसे खरीदकर स्टॉक कर लेती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने भी हाथ खींच लिए हैं, जिससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इंदौर मंडी में भी टमाटर रखने की समस्या खड़ी हो गई है। सांई ट्रेडिंग कंपनी के योगेश विरहे के अनुसार, इंदौर में रोजाना 10,000 कैरेट टमाटर की आवक हो रही है, जबकि खपत मात्र 5,000 से 6,000 कैरेट ही है। अधिक उत्पादन और कम खपत के चलते आम उपभोक्ता भी टमाटर खरीदने से बच रहा है। इंदौर की थोक मंडी में टमाटर 2 से 5 रुपये किलो में बिक रहा है, जबकि बेहतरीन क्वालिटी का टमाटर 7 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रहा है। फुटकर बाजार में ठेलों और खेरची में टमाटर 5 से 8 रुपये किलो मिल रहा है।

सड़क पर गुटखा थूकने वाले तीन हजार लोग पकड़ाए

निगम ने सात लाख रुपए वसूले

इंदौर। शहर ने भले ही सात बार स्वच्छता में नंबर वन का खिताब हासिल किया हो, लेकिन अब भी कई नागरिक सड़क पर गंदगी फैलाने और गुटखा खाकर थूकने की आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। नगर निगम लगातार ऐसे लोगों पर नजर बनाए हुए है और स्पॉट फाइन के तहत जुर्माने की कार्रवाई कर रहा है। सिर्फ जनवरी महीने में ही निगम ने गुटखा थूकने वालों पर सख्त कार्रवाई की और साढ़े तीन हजार से ज्यादा लोगों से जुर्माना वसूलकर साढ़े छह लाख रुपये की वसूली की। शहर में पान और गुटखा के सेवन का चलन कम होने के बजाय बढ़ता ही जा रहा है, जिसकी वजह से सड़क किनारे, डिवाइडरों और यहां तक कि आवासीय व व्यावसायिक इमारतों की दीवारें भी गुटखे की पीक से रंगी हुई नजर आती हैं। नगर निगम इस समय स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों में जुटा हुआ है और इसी के चलते खुले में कचरा फेंकने, पॉलिथीन थैलियों के उपयोग और अन्य स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर लगातार

कार्रवाई कर रहा है। बावजूद इसके गुटखा थूकने वालों की संख्या में कोई खास कमी देखने को नहीं मिल रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल निगम ने करीब 6,500 लोगों पर कार्रवाई करते हुए 7.81 लाख रुपये का जुर्माना वसूला था, जबकि इस साल सिर्फ जनवरी में ही 3,500 से अधिक लोगों से सख्त कार्रवाई करते हुए साढ़े छह लाख रुपये जुर्माने के तौर पर वसूल किए गए हैं। फरवरी में भी यह सिलसिला लगातार जारी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दो साल पहले शहर में 'नो थू-थू' अभियान की शुरुआत की थी, जिसमें लोगों को सड़कों और डिवाइडरों पर थूकने से रोकने के लिए प्रेरित किया गया था।

इस अभियान के तहत न केवल लोगों को गुटखा थूकने से रोका गया बल्कि उनसे सफाई भी करवाई गई। बावजूद इसके लोग इस गंदी आदत से बाज नहीं आ रहे हैं, और नगर निगम के सफाई मित्रों को बार-बार इन्हीं जगहों को धोकर साफ करना पड़ रहा है। इस समय भी लगातार शहर के डिवाइडरों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की जा रही है, मगर यह समस्या जस की तस बनी हुई है।

इंदौर में सोने के भाव में तेजी, 87 हजार रुपए प्रति दस ग्राम में बिका

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शेयर बाजार में भले ही मंदी हो, लेकिन इंदौर में सोने के भाव में तेजी है। गुरुवार को इंदौर में सोने की कीमत 87 हजार 20 रुपये प्रति दस ग्राम रही। इंदौर में इस समय आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से शादी की ग्राहकी भी होती है। इस कारण भी सोने के लाइट ज्वेलरी की डिमांड बढ़ी है। कारोबार से जुड़े लोगों को कहना है कि सोना की कीमत 90 हजार रुपये प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकती है। शेयर बाजार में हो रही गिरावट के कारण निवेशक सोने की खरीदी को सुरक्षित निवेश मान रहे है।यह एक बड़ी वजह सोने की बढ़ती कीमतों की है। इसके अलावा फेडरल रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की है और डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भी सोने की कीमतों पर प्रभाव डाला है। विदेशी बैंकों ने भी सोने की खरीदी शुरू की दी है। इंदौर सराफा एसोसिएशन के अनुसार इंदौर में सात माह में सोना 11 हजार रुपये महंगा हुआ है। एक जनवरी को इंदौर में सोने के भाव दस ग्राम सोने के भाव 76 हजार रुपये थे, जो सात माह में 87 हजार रुपये हो गए है। आने वाले दिनों में तेजी और देखने को मिलेगी। भाव बढ़ने के कारण लगन सराय के लिए सोने की बिक्री तो प्रभावित हुई है, लेकिन निवेश इसके दाम बढ़ने से उत्साहित है और वे भी लगातार अपना निवेश सोने में बढ़ा रहे है। सोने के अलावा चांदी में भी चमक है। सात माह में चांदी के भाव 14 हजार प्रति किलो तक बढ़े है। अभी चांदी की कीमत 94 हजार 940 रुपये प्रति किलो ग्राम तक है। चांदी के भाव भी एक लाख रुपये पार कर सकते है।

श्री श्वेताम्बर जैन महा संघ न्यास के अध्यक्ष पद पर मनोनीत हुए विजय मेहता

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। समग्र जैन समाज की संस्था , श्री श्वेताम्बर जैन महा संघ न्यास के अध्यक्ष पद पर विजय मेहता मनोनीत हुए हैं। चार ट्रस्टियों के चुनाव के बाद से ही महासंघ के अध्यक्ष पद को लेकर काफी गहमा गहमी बनी हुई थी। महासंघ के 12 ट्रस्टियों के चुनाव पश्चात पहली ही मीटिंग में अध्यक्ष हेतु प्रकाश भटेवरा और विजय मेहता ने अपनी अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की।12 ही ट्रस्टियों में यह भी सर्व सहमति बनी कि दोनों ही योग्य हैं संघ समाज में अग्रणी है अतः दोनों को बारी बारी से अध्यक्ष बनाया जाए। पहले कौन अध्यक्ष बने इस हेतु ट्रस्टियों की मीटिंग में आपसी सहमति और सामंजस्य बनाने हेतु दिलीप सी जैन, मनीष सुराणा,जय सिंह जैन,स्वप्निल कोठारी की एक समिति बनाई गई। इस कमेटी ने दोनों प्रत्याशियों से काफी विचार विमर्श किया। अंततः जैसा सभी को लगभग जानकारी थी कि प्रकाश भटेवरा बहुत ही सरल और विनम्र हैं, संघ समाज में सेवा के पर्याय के रूप में उन्हें देखा जाता है और वे समन्वय, सामंजस्य, और एकता के समर्थक हैं। प्रकाश भटेवरा ने अभी वर्तमान में शेष कार्यकाल के लिए विजय मेहता के नाम पर अपनी सहमति व्यक्त की। इस समर्पण,त्याग की भावना और अपने से बड़ों के आदर भाव ने समाज को टूटने से बचा लिया। आज महासंघ के सदस्य या समाज इतनी खुशी जाहिर कर रहा है तो इसमें दिलीप सी जैन, जय सिंह जैन, मनीष सुराणा और स्वप्निल कोठारी की सूझ बुझ और दूरदृष्टी ने काम किया। जो आज समाज एकता के साथ खड़ा है।

इंदौर से बेंगलुरु के लिए एक और सीधी फ्लाइट, 10 मार्च से होगी शुरू

इंदौर। इंदौर से बेंगलुरु के लिए 10 मार्च से एक और सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। इस फ्लाइट का संचालन एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जाएगा। यह एयर इंडिया एक्सप्रेस की इंदौर से बेंगलुरु के लिए दूसरी सीधी फ्लाइट होगी। एयरलाइंस कंपनी ने इस फ्लाइट की बुकिंग शुरू कर दी है। इसके साथ ही फ्लाइट शेड्यूल भी वेबसाइट पर जारी कर दिया है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि इंदौर-बेंगलुरु फ्लाइट 10 मार्च से शुरू होने वाली है। इससे यात्रियों को बेंगलुरु के साथ ही कोच्चि, कन्नूर, त्रिवेंद्रम, चेन्नई और मैंगलोर के लिए आसानी से कनेक्टिंग फ्लाइट मिल जाएगी। एयरलाइंस से मिली जानकारी के अनुसार 10 मार्च से शुरू हो रही फ्लाइट सुबह 08.45 बजे बेंगलुरु से उड़ान भरकर 10.45 बजे इंदौर आएगी।

रुस्तम के बगीचे में विहिप ने रविदास महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रुस्तम के बगीचे में विश्व हिंदू परिषद द्वारा रविदास महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अन्नू गेहलोत ने बताया कि कहते हैं कि माघ मास की पूर्णिमा को जब रविदास जी ने जन्म लिया वह रविवार का दिन था जिसके कारण इनका नाम रविदास रखा गया। उनका जन्म माघ माह की पूर्णिमा को हुआ था।

संत शिरोमणि कवि रविदास का जन्म माघ पूर्णिमा को 1376 ईस्वी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के गोबर्धनपुर गांव में हुआ था। उनकी माता का नाम कर्मा देवी (कलसा) तथा पिता का नाम संतोख दास (रग्घु) था। उनके दादा का नाम कालूराम जी, दादी का नाम लखपती जी, पत्नी का नाम लोनाजी और पुत्र का नाम श्रीविजय दास जी है। रविदासजी चर्मकार कुल से होने के कारण वे जूते बनाते थे। ऐसा करने में उन्हें बहुत खुशी मिलती थी और वे पूरी लगन तथा परिश्रम से अपना कार्य करते थे। अन्नु गेहलोत ने आगे बताया कि उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन था चारों ओर अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। उस समय मुस्लिम शासकों द्वारा प्रयास किया जाता था कि अधिकांश हिन्दुओं को मुस्लिम बनाया जाए। संत रविदास की ख्याति लगातार बढ़ रही थी जिसके चलते उनके लाखों भक्त थे जिनमें हर जाति के लोग शामिल थे। यह सब देखकर एक परिद्ध मुस्लिम सदना पीर उनको मुसलमान बनाने आया था। उसका सोचना था कि यदि रविदास मुसलमान बन जाते हैं तो उनके लाखों भक्त भी मुस्लिम हो जाएंगे। ऐसा सोचकर उन पर हर प्रकार से दबाव बनाया गया था । संत रविदासजी बहुत ही दयालु और दानवीर थे। संत रविदास ने अपने दोहों व पदों के माध्यम से समाज में जातिगत भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता पर बल दिया और मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। रविदासजी ने सीधे-सीधे लिखा कि रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच यानी कोई भी व्यक्ति सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है। जो व्यक्ति गलत काम करता है वो नीच होता है। कोई भी व्यक्ति जन्म के हिसाब से कभी नीच नहीं होता। संत रविदास ने अपनी कविताओं के लिए जनसाधारण की ब्रजभाषा का प्रयोग किया है। साथ ही इसमें अवधी, राजस्थानी, खड़ी बोली और रेख्ता यानी उर्दू-फारसी के शब्दों का भी मिश्रण है। रविदासजी के लगभग चालीस पद सिख धर्म के पवित्र धर्मग्रंथ गुरुग्रंथ साहब में भी सम्मिलित किए गए है। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के विभाग सेवा प्रमुख के यज्ञेश राठी समाज के अध्यक्ष करण सिंह गोलिया महेंद्र जौहरी प्रकाश लखारे गोपाल जाटव सुदेश बीसे रामकिशोर भिडोरे युगान्तिका गेहलोत अन्नू गेहलोत उपस्थित थे

सीएम मोहन यादव बोले- संत रविदास के विचारों को कोर्स में कर रहे शामिल

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल के हिंदी भवन में संत रविदास जयंती के अवसर पर बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास महाराज को नमन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि संत शिरोमणि ने 648 वर्ष पहले अपने जीवन चरित्र के माध्यम से समूचे समाज, भारत और मानवता के लिए एक संदेश दिया कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। सीएम मोहन ने कहा है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने जात-पात पूछे न कोई-हरि को भजे सो हरि को होई जैसे उदात्त विचारों से समाज को छुआछूत, सामाजिक असमानता, आडंबर और अंधविश्वास के विरुद्ध जागरुक किया। उन्होंने परतंत्रता और विदेशी आक्रांताओं के आतंक से प्रभावित वातावरण में भक्ति, समानता और सद्भाव के साथ अपनी यात्रा आरंभ की।

सीएम ने कहा, गर्व का विषय है कि बनारस में मां गंगा के घाट से आरंभ इस यात्रा में राजवंश के व्यक्ति भी उनके शिष्य बनें। मीराबाई द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जीवन व्यतीत करना संत रविदास जी की प्रेरणा से ही संभव हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत रविदास जी की भावनाओं और विचारों को जन-जन तक ले जाने के उद्देश्य से उनके विचारों को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत रविदास जी की जयंती पर प्रदेशवासियों को मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए यह विचार व्यक्त किए।

भक्ति के लिए किसी आडंबर की आवश्यकता नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण, संत रविदास जी की भक्ति के आधार थे। उन्होंने राम नाम के जाप का संदेश देते हुए बताया कि भगवान व्यक्ति के भीतर है और भक्ति के लिए किसी आडंबर की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संत रविदास जी के दर्शन के आधार पर भारत को विश्व में आदर्श देश के रूप में स्थापित कर रहे हैं। राज्य सरकार भी इस दिशा में कार्यरत है। सागर में संत रविदास जी को समर्पित धाम का निर्माण जारी है। उज्जैन सहित राज्य के जिन स्थानों पर संत रविदास जी के चरण पड़े हैं, उन्हें तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

सीएम से की गई नगर निगम की शिकायत

भोपाल के हिन्दी भवन में संत रविदास जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव, विधायक भगवानदास सबनानी, मेयर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी शामिल हुए। सीएम की मौजूदगी में नवयुवक अहिरवार समाज सेवा संघ के अध्यक्ष शोभाराम गन्नोरे ने भोपाल नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा मोचियों की गुमठियां उठाकर ले जाने का मामला उठाया। सीएम की मौजूदगी में नगर निगम की कार्रवाई को लेकर उठी बात को लेकर मंच पर बैठे नेता सन्न रह गए। मेयर मालती राय भी असहज दिखीं। अहिरवार समाज सेवा संघ के अध्यक्ष शोभाराम गन्नोरे ने सीएम की मौजूदगी में मंच से कहा कि जो हमारे भाई छोटी गुमटी लगाकर मोची का व्यवसाय करते हैं। उनको नगर निगम द्वारा उठाकर कहीं भी फेंक दिया जाता है। वे बेचारे इतने लाचार हो जाते हैं कि उनके पढ़ने वाले जिन बच्चों की फीस उसी व्यवसाय से भरी जाती है। वे परेशान होते हैं। हम लोग महाराष्ट्र गए थे वहां की सरकार ने लोगों को अस्थाई पट्?टे दिए। अगर किसी जगह से हटाना है तो कहीं स्थाई जगह दे दी जाती है। लेकिन यहां ऐसा नहीं हैं। यहां पर महापौर जी, विधायक जी और नगर निगम के अध्यक्ष बैठे हैं और प्रदेश के मुखिया बैठे हैं।

सीएम बोले- सब मिलकर समस्या हल करेंगे

भोपाल नगर निगम के कर्मचारियों की शिकायत को लेकर सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आपने नगर निगम की जो परेशानी बताई। यहां महापौर नगर निगम अध्यक्ष, विधायक ये सब मिलकर समस्या हल करेंगे। इनके साथ मैं भी हूं। मेरा प्रयास है मप्र के सारे युवाओं के जीवन में बदलाव आना चाहिए। सबकी आर्थिक स्थिति बढ़ना चाहिए। सबको आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। सरकार का मतलब ही है गरीबों की गरीबी दूर करे, युवाओं को काम दे, महिलाओं को सम्मान दे। किसानों की आमदनी बढ़ाए। पूरे देश में ये डंका बज रहा है कि मप्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम ने कहा कि सभी गरीबों के जीवन में बेहतरी के लिए हम काम कर रहे हैं। गुमठी मांग रहे हैं हम गुमठी तो देंगे ही देंगे। लेकिन, गुमठी क्यों महल देंगे। महल बनाओ बढ़िया धूमधाम से रहो, बराबरी से रहो। क्या तकलीफ है।

मैं भी आपके जैसे परिवार से आता हूं सीएम ने कहा कि आज मोदीजी के नेतृत्व में गरीब आदमी सम्मान के साथ जी रहा है। मोदीजी खुद गरीबी से निकल कर आए हैं। स्टेशन पर चाय बेचते हुए, इस देश के लोकतंत्र को गौरवान्वित कर रहे हैं और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने तो आप और हमारे लोकतंत्र की ताकत से बने। डॉ अंबेडकर के संविधान की वजह से बने। गरीब से गरीब आदमी का बच्चा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बन सकता है। मैं भी आपके जैसे परिवार से आता हूं। उज्जैन में मेरे आसपास समूचा रविदास समाज घर के आसपास है।

उज्जैन में है रविदास जी का गुरुद्वारा

कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि सरकार के माध्यम से सागर में रविदास जी का सौ करोड़ की लागत से भव्य स्थान बन रहा है। वहां आप सबको ले जाकर दिखाएंगे।

उज्जैन में तो रविदास जी का गुरुद्वारा है। मैं हर साल वहां जाता हूं। सामाजिक भवन के लिए जमीन की मांग की गई है। इस भवन के लिए जमीन आवंटित कराएंगे। जिनके सिर पर छत नहीं हैं उन्हें पक्का मकान दिया जाएगा। दस लाख नए मकान बनाए जाएंगे। गरीब आदमी क्यों झोपड़ी में रहना चाहिए। उसका भी पक्का मकान होना चाहिए। शिक्षा, रोजगार और समानता का अवसर डॉ अंबेडकर के संविधान से मिला है। उसमें सरकार पूरी तरह से काम कर रही है।

डैम के किनारे बसे दो खूबसूरत शहर!

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले मेहमानों के लिए खास इंतजाम

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। 24 और 25 फरवरी को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दिल्ली और विदेश से करीब 20 हजार मेहमान शामिल होने वाले हैं। मेहमानों के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। खाने के मेन्यू से लेकर उनके ठहरने तक की हर व्यवस्था पर सीएम मोहन यादव की नजर है। बताया जा रहा है कि समिट में अंबानी, अडानी, टाटा, बिड़ला, महिंद्रा जैसे देश-विदेश के बड़े उद्योगपति भी शामिल होंगे। सीएम यादव हाल ही में जापान की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए जापान के बड़े उद्योगपतियों और निवेशकों को आमंत्रित किया है। समिट में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं। 2 स्टार से लेकर 5 स्टार रेटिंग वाले होटलों में 1 लाख रुपए तक के कमरे बुक किए गए हैं। वहीं, दो जगहों पर 100 टेंट की अस्थायी टेंट सिटी भी बनाई गई है। दोनों टेंट सिटी कलियासोत और केरवा डैम के किनारे बनाई गई हैं, ताकि मेहमान प्रकृति के नजारे का लुत्फ उठा सकें। वीवीआईपी मेहमानों के लिए फाइव स्टार होटलों में 1 लाख रुपए तक के कमरे भी बुक किए जा रहे हैं। दोनों टेंट सिटी कलियासोत और केरवा डैम के किनारे बनाई गई हैं, ताकि मेहमान प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठा सकें। मिली जानकारी के मुताबिक, अगले पांच से छह दिनों में टेंट सिटी पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी। टेंट सिटी में मेहमानों के लिए डबल बेड, एयर कंडीशनिंग जैसी लग्जरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही मेहमानों की सेवा के लिए

24 घंटे सुरक्षा और डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रहेगी। जीआईएस में आने वाले 20 हजार मेहमानों में से अब तक करीब 17 हजार उद्योगपतियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। अगर कोई मेहमान रजिस्ट्रेशन करवाने से चुक जाते हैं तो 24 फरवरी 2025 को उद्घाटन के दिन भी ऑन स्पॉट अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

विदेशी मेहमानों को अपने घर में ठहरा सकते हैं भोपालवासी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में स्थानीय निवासी विदेशी मेहमानों को अपने घर में ठहरा सकते हैं। होम स्टेट व्यवस्था के लिए इच्छुक परिवार 20 फरवरी तक सहमति दे सकतें है। विदेशों और देशभर से आ रहे मेहमानों को घर में रखने वालों को कोई चार्ज नहीं दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें अपने घर खाली कमरे की फोटो 20 फरवरी तक भेजनी होगी। भोपाल विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद मंदारिया ने बताया कि समिट में आ रहे मेहमानों के लिए होम स्टेट की व्यवस्था की जा रही है, जिसके तहत स्थानीय परिवार उन्हें अपने घर में ठहरने की सुविधा देंगे। इस पहल का उद्देश्य मेहमानों को मध्यप्रदेश की पारिवारिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत कराना है। इच्छुक परिवार जो इस योजना में भाग लेना चाहते हैं वे 20 फरवरी 2025 तक भोपाल विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री से मोबाइल नंबर - 98265-97251 पर संपर्क कर अपनी सहमति दर्ज करा सकते हैं। जो भी व्यक्ति अपने घर में अतिथियों को रोकना चाहते हैं उनको कुछ अलग व्यवस्था नहीं करनी होगी। वे जिस तरह से रहते हैं उसी महौल में मेहमानों को घर में रोकना होगा। इसके लिए उन्हें खाली कमरे का वीडियो बना कर 20 फरवरी के पहले जारी नंबर पर भेजना होगा। भेजे गए वीडियों को मेहमानों को भेजा जाएगा। जो घर उन्हें पसंद आएगा उस घर के मालिक को जिम्मेदार अधिकारी सूचित करेंगे। और मौके पर जाकर व्यवस्था भी देखेंगे। मेहमानों के लिए गड़ी की व्यवस्था करकार द्वारा कराई जाएगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मेजबानी शहर के श्यामला हिल्स स्थित इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय को मिली है। लगभग 200 एकड़ में फैले मानव संग्रहालय परिसर में मेहमानों को घूमने के लिए 100 इलेक्ट्रिक कार्ट का इंतजाम किया जाएगा। संग्रहालय में अब तक सिंगल लेन रोड थी, लेकिन अब करीब 1 किमी की डबल लेन रोड भी तैयार की जा रही है। मानव संग्रहालय के निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे के मुताबिक 26 फरवरी तक यहां घूमने आने वाले पर्यटक लेक व्यू गेट यानी संग्रहालय के गेट नंबर 2 से एंट्री नहीं ले सकेंगे। एंट्री की व्यवस्था गेट नंबर 1 से ही रहेगी। बोट क्लब की दीवारों पर गोंड और भील पेंटिंग बनाई जा रही है। कलाकार संतोष उइके ने बताया कि इन चित्रकारी के जरिए जनजातीय परंपरा से डेलीगेट्स को अवगत कराया जाएगा। गोंड और भील चित्रकारी, आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को दशार्ती हैं. गोंड चित्रकारी में प्रकृति, देवी-देवता और लोककथाओं की झलक दिखाई जाएगी।

उमंग सिंघार बोले- 15 फरवरी को करेंगे परिवहन घोटाले पर बड़ा खुलासा

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, परिवहन घोटाले का आरोपी सौरभ शर्मा छोटी मछली है। इसमें और कई बड़े नाम शामिल हैं। लेकिन मोहन यादव सरकार इस मुद्दे पर बचती नजर आती है। कांग्रेस 15 फरवरी को भोपाल में मीडिया के सामने इस मुद्दे पर चर्चा करेगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सागर जिले में दो दिन के प्रवास पर हैं।बता दें कि बुधवार को उन्होंने सागर में मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन के संबंध में जानकारी ली। साथ ही बुंदेलखंड में कानून व्यवस्था और जनता की समस्याओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मोहन यादव सरकार वादाखिलाफी कर रही है। शिवराज सरकार की तरह सिर्फ घोषणाएं कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट भोपाल में होगा। पिछली इन्वेस्टर्स मीट के कितने काम पूरे हुए, यह किसी से छिपा नहीं है।

सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए सिंघार ने कहा कि सरकार विधानसभा चलाना नहीं चाहती है। सरकार स्वयं डरती है, देश में सबसे कम सत्र मध्यप्रदेश में होते हैं। विधानसभा का बजट सत्र नौ दिन का रखा गया है। लगता है कि यह मप्र के इतिहास का सबसे छोटा बजट सत्र है। हमनें लाइव प्रसारण की बात कही तो इसके लिए भी घबराते हैं। सरकार विपक्ष और जनता की बात नहीं सुनना चाहती है। इस संबंध में राज्यपाल को ज्ञापन दिया है।

सौरभ शर्मा छोटी मछली

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने परिवहन आरक्षक के मामले को लेकर कहा कि सौरभ शर्मा छोटी मछली है, वह किसके लिए काम करता था? उसके साथ कौन लोग जुड़े थे? यह सामने आना चाहिए। सौरभ शर्मा के नाम पर करोड़ों रुपये कमाए और जमीनें खरीदी ली गईं। उसके ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से लेकर किन मंत्रियों तक से कैसे संबंध थे? प्रदेश में भ्रष्टाचार चल रहा है। कई जांच रिपोर्ट सरकार दबाकर बैठी है। साल 2013 से लोकायुक्त में जांच प्रतिवेदन लंबित पड़े हैं। इनकी जांच रिपोर्ट सरकार दबाकर बैठी है। इन सभी मुद्दों पर भोपाल में 15 फरवरी को मीडिया से चर्चा करूंगा।

बुंदेलखंड पैकेज से लेकर स्मार्ट सिटी तक में भ्रष्टाचार

सिंघार ने कहा कि बीजेपी ने हमेशा बुंदेलखंड अंचल की उपेक्षा की है। सिर्फ वोट लिए है, दिया कुछ नहीं। कांग्रेस सरकार ने बुंदेलखंड पैकेज दिया था। यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। इसको वह विधानसभा में उठाएंगे। उन्होंने दुग्ध संघ के सीईओ हेमराज पटेल पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे श्रमिकों और पशुपालकों को परेशान कर रहे हैं। उनकी जांच होना चाहिए। डेयरी विस्थापन में बीजेपी कार्यकर्तअं को प्लाट मिले हैं। इस गड़बड़ी को उठाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने राजघाट बांध की ऊंचाई बढ़ाने को लेकर कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बांध की ऊंचाई बढ़ाने का बोला था। लेकिन यह काम अब तक नहीं हुआ है। भाजपा सरकार घोषणाएं करती है,

साले की जगह जीजा जी दे रहे थे ग्रेजुएशन का पेपर, 10 साल बाद दोनों को सजा

भोपाल। यूं तो जीजा-जाले के रिश्ते की कहानी ही अलग है। लेकिन कोई अपने साले के लिए अपराध कर बैठे? यह बात तो समझ के बाहर है। लेकिन ऐसा हुआ है भोपाल में स्थापित भोज मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा में। दरअसल, भोपाल के भोज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक परीक्षा में साले की परीक्षा का पर्चा एक जीजा हल कर रहा था। इस मामले में अब कोर्ट का फैसला आ गया है और दोनों को दो-दो साल की सजा हुई है।मामला रतलाम जिले से जुड़ा है। अब कोर्ट ने रतलाम के ग्राम पंचेड़ निवासी गोपाल जाट और उसके जीजा कंसेर गांव के देवकरण चौधरी को दो-दो वर्ष की सजा सुनाई है। यह फैसला प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट जावरा हर्षिता पिपरेवार ने सुनाया है। पुलिस के अनुसार 15 जून 2015 को भोज मुक्त विश्वविद्यालय भेपाल की ओर से आयोजित बीए प्रथम वर्ष के आधार पाठ्यक्रम विषय की परीक्षा थी।शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल कालूखेडा सेंटर में परीक्षार्थी गोपाल जाट को शामिल होना था, लेकिन उसकी जगह जीजा देवकरण चौधरी परीक्षा लिख रहा था। पर्यवेक्षक कालुराम परिहार द्वारा उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर कराते समय प्रवेश पत्र पर फोटो का मिलान करने पर मिलान नहीं हुआ। इसके बाद केन्द्राध्यक्ष संजना चौहान (प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल कालूखेडा) को सूचना दी गई। उन्होंने देखा परीक्षार्थी गोपाल के स्थान पर उसका जीजा देवकरण उत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करते पाया गया था।बाद में देवकरण ने बताया था कि वह गोपाल के स्थान पर परीक्षा दे रहा है। इसके बाद इस पर कालूखेड़ा थाने पर गोपाल व देवकरण के खिलाफ रिपोर्ट की गई थी। अब कोर्ट ने सजा सुना दी है।

ईवी यूज़ कर रहे लोगों को सौगात, बोट क्लब के पास शुरू हुआ चार्जिंग स्टेशन

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने लेक व्यू में फास्ट ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन शुरू किया है। यह स्टेशन एक साथ 5 ई-वाहन चार्ज कर सकता है। शुरूआती एक हफ्ते के लिए चार्जिंग मुफ्त है। यह ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट से पहले शुरू किया गया है। एक और स्टेशन जल्द ही एमपी नगर में खुलेगा। चार्जिंग स्टेशन का उपयोग करने के लिए, वाहन मालिकों को स्टेटिक नामक एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। स्टेशन पर क्यूआर

कोड भी उपलब्ध है जिससे ऐप आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। ऐप में कम से कम 50 रुपये का बैलेंस रखना जरूरी है। यह बैलेंस चार्जिंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।यह स्टेशन एक साथ पांच वाहनों को चार्ज कर सकता है, जिससे समय की बचत होती है। लोगों को इस नई सुविधा से रूबरू कराने और प्रोत्साहित करने के लिए, शुरूआती एक सप्ताह तक चार्जिंग पूरी तरह से मुफ्त रखी गई है। यह कदम ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि शहर की आधुनिक सुविधाओं को प्रदर्शित किया जा सके।

दूसरे चार्जिंग स्टेशन की तैयारी जोरों पर

इसके अलावा, एमपी नगर के मल्टीलेवल पार्किंग के पास एक और चार्जिंग स्टेशन जल्द ही शुरू होने वाला है। इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह स्टेशन शहर के दूसरे हिस्से में रहने वाले ई-वाहन मालिकों के लिए सुविधाजनक होगा। इन स्टेशनों के जरिए स्मार्ट सिटी भोपाल ई-वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित कर रहा है।

इतनी क्षमता के लगे हैं चार्जर

लेक व्यू चार्जिंग स्टेशन में 120 किलोवाट, 60 किलोवाट और 22 किलोवाट क्षमता वाले चार्जर लगे हैं। ये फास्ट चार्जर हैं और टाइप-2 चार्जिंग गन का इस्तेमाल करते हैं। एक कार को पूरी तरह चार्ज होने में लगभग एक घंटा लगता है। इस चार्जिंग स्टेशन को लोगों से अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। पिछले तीन दिनों में 150 से अधिक वाहनों ने यहां से 3000 यूनिट बिजली चार्ज की है।

सम्पादकीय

'मेड इन मप्र, ब्रांड को विश्व बाजार में चमकाएगी नई निर्यात नीति

मध्यप्रदेश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मोहन यादव कैबिनेट ने 'मध्यप्रदेश निर्यात नीति-2025' को मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश के निर्यात को बढ़ाना, निर्यात दक्षता में सुधार करना और 'मेड इन मध्यप्रदेश' ब्रांड को वैश्विक बाजार में स्थापित करना है। नीति के तहत मध्यप्रदेश में बड़े निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाने, निर्यात डायवर्सिफिकेशन को बढ़ावा देने और निर्यातकों को वित्तीय और गैर-वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। वृहद श्रेणी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को उसके उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक निर्यात करने पर निर्यात प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मध्यप्रदेश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मोहन यादव कैबिनेट ने 'मध्यप्रदेश निर्यात नीति-2025' को मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश के निर्यात को बढ़ाना, निर्यात दक्षता में सुधार करना और 'मेड इन मध्यप्रदेश' ब्रांड को वैश्विक बाजार में स्थापित करना है। नीति के तहत मध्यप्रदेश में बड़े निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाने, निर्यात डायवर्सिफिकेशन को बढ़ावा देने और निर्यातकों को वित्तीय और गैर-वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। वृहद श्रेणी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को उसके उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक निर्यात करने पर निर्यात प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें पहली बार निर्यात करने वाली यूनिट के लिए रजिस्ट्रेशन को मेंबरशिप सर्टिफिकेशन पर 10 लाख रुपए तक रीइम्बर्स्मन्ट और निर्मात बीमा प्रीमियम पर अधिकतम 25 लाख रुपए तक का रीइम्बर्स्मन्ट किया जाएगा। इसके अलावा निर्यात भाड़ा सहायता के रूप में फैक्टरी परिसर से बंदरगाह या एयर कार्गो या अंतरराष्ट्रीय सड़क मार्ग तक माल ले जाने के लिए किए गए खर्च की 50 प्रतिशत राशि और अधिकतम 2 करोड़ रुपए रीइम्बर्स्मन्ट किया जाएगा। निर्यात इन्फ्रास्ट्रक्चर सहायता के तहत परीक्षण लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट केंर्द्र, निर्यात इनक्यूबेशन केंर्द्र आदि एक्स्पोर्ट ओरिएंटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किए गए खर्च का 25 प्रतिशत अधिकतम 1 करोड़ रुपएतक की सरकार मदद करेगी। मध्यप्रदेश से निर्यात करने वाली इकाई के लिए इन्क्रीमेंटल फ्री ऑनबोर्ड वेल्यू (एफओबी) पर 10 प्रतिशत की सहायता 5 वर्षों तक अधिकतम 2 करोड़ रुपए निर्यात टर्नओवर सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी। निर्यात विपणन सहायता मे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और केता-विक्रेता बैठकों में भाग लेने के लिए किए गए खर्च का 75 प्रतिशत रीइम्बर्स्मन्ट अधिकतम 5 लाख रुपए प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। निर्यात ग्रीन दस्तावेज सहायता के रूप में निर्यात डाक्यूमेंट लागत (सीबीएएम, नेट-जीरो उत्सर्जन कार्बन ऑफसेटिंग आदि) पर किए गए खर्च का 50 फीसदी रीइम्बर्स्मन्ट अधिकतम 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष प्रति इकाई 5 वर्षों की अवधि के लिए किया जाएगा। निर्यात वित्तीय सहायता में लिए गए लोन पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान 5 वर्षों के लिए अधिकतम 50 लाख रुपए प्रदान किया जाएगा। एचजीवी सेक्टर्स (फर्नीचर ट्रांसपोर्ट, आदि) एवं वैश्विक बाजार स्तर पर निर्यात की गई वस्तुओं (इलेक्ट्रॉनिक्स मशीनरी, अप्लाइन्स आदि) के लिए फ्री ऑनबोर्ड वेल्यू (एफओबी) के 5 प्रतिशत की अतिरिक्त सहायता, अधिकतम 30 लाख रुपए प्रति वर्ष 5 वर्ष की अवधि में निर्यात विकास संवर्धन प्रोत्साहन सहायता के रूप मे प्रदान की जाएगी। नई नीति के तहत कम से कम 25 एकड़ भूमि पर एक्स्पोर्ट ओरिएंटेड यूनिट जो पिछले तीन वर्षों में 25 प्रतिशत से अधिक उत्पादन निर्यात करती हैं, उन्हें डेडीकेटेड एक्सपोर्ट पार्क्स (डीईपी) में भाग लेने का अवसर मिलेगा। नीति में ग्रीन औद्योगीकरण को भी प्रोत्साहन दिया गया है, जिसमें वेस्ट मैनेजमेंट और वॉटर पॉल्यूशन कंट्रोल जैसी सुविधाओं के लिए पूंजीगत अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश में निर्यात शुरू करने वाले स्टार्टअप्स के लिए एक्स्पोर्ट इनक्यूबेशन हब भी स्थापित किए जाएंगे, ताकि उन्हें निर्यात प्रक्रिया में मार्गदर्शन और सहायता मिल सके। इसके अलावा प्रदेश के व्यापार सहायता कार्यक्रम, डिजिटल कॉमर्स, और ग्रीन कार्ड स्कीम से निर्यातकों को लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश निर्यात नीति-2025 अधोसंरचना में निजी डेवलपर्स की भागीदारी बढ़ाने के लिए, निर्यात क्षेत्रों के डेवलपर्स को प्रोत्साहित करती है।

यह कैसा हास्य जो रिश्तों को तार-तार कर दे

लोगों को कतई यह पता ही नहीं है कि एक युवा होना क्या होता है? वो नहीं जो महज गंदा मजाक करे और खींसें निपोरते नजर आए। हममें से कोई भी सच्चे दिल से अपने बच्चे को स्वामी विवेकानंद जैसा युवा बनाना चाहेगा। वो कतई समय रैना या रणवीर तो नहीं बनाना चाहेगा। ब्रिटिश राज में देश की आजादी के लिए जान देने वाले ज्यादातर क्रांतिकारी युवा ही थे, जो हंसे भी और हंसते हुए ही देश के लिए फांसी पर चढ़ गए। स्टैंड अप कॉमेडियन उत्तम केवट भी यही मानते हैं कि अगर गंदी बात ही परोसी जाए तो यह सोशल मीडिया पर ज्यादा चलती है। लेकिन, हमारी भी एक जिम्मेदारी है कि हम ऐसे कंटेंट परोसें जिसे पूरा परिवार मिलकर देखे और हंसे भी।

आप जरा सोचिए...आप जिस समाज में रह रहे हों, वहां अगर क्या हो कि हर कोई गाली देकर ही बात करता हो। राह चलते, बसों, मेट्रो या ट्रेनों में हर तरफ आपको गालियां ही सुननी पड़ रही हों... हमारी-आपकी मां-बहन या पत्नी को हर ओर ऐसी गालियों से दो-चार होना पड़ रहा है। क्या आप ऐसे मध्यकालीन सामंती युग में लौटना चाहेंगे। क्या हमारे या आप में से ही कोई दरिंदा पैदा हो जिससे हमारे घर-परिवारों की बहन-बेटियों को इस तरह की जिल्लत झेलनी पड़े। जाहिर है आप यह नहीं चाहेंगे। आप 21वीं सदी में जो हैं। मगर, कुछ लोगों के लिए यह सदी बस खुल्लमखुल्ला कुछ भी कह देने या कुछ भी सुना देने की सदी है। चाहे वो यू-ट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया हों या कॉमेडियन समय रैना। रणवीर ने एक शो में माता-पिता के अंतरंग संबंधों को लेकर टिप्पणी की थी। ऐसे लोगों को धिक्कार है, इन्हें आज की पीढ़ी का युवा कहते भी शर्म आती है।

इन लोगों को कतई यह पता ही नहीं है कि एक युवा होना क्या होता है? वो नहीं जो महज गंदा मजाक करे और खींसें निपोरते नजर आए। हममें से कोई भी सच्चे दिल से अपने बच्चे को स्वामी विवेकानंद जैसा युवा बनाना चाहेगा। वो कतई समय रैना या रणवीर तो नहीं बनाना चाहेगा। ब्रिटिश राज में देश की आजादी के लिए जान देने वाले ज्यादातर क्रांतिकारी युवा ही थे, जो हंसे भी और हंसते हुए ही देश के लिए फांसी पर चढ़ गए। स्टैंड अप कॉमेडियन उत्तम केवट भी यही मानते हैं कि अगर गंदी बात ही परोसी जाए तो यह सोशल मीडिया पर ज्यादा चलता है। लेकिन, हमारी भी एक जिम्मेदारी है कि हम ऐसे कंटेंट परोसें जिसे पूरा परिवार मिलकर देखे और हंसे भी। बच्चे को छिपकर वो कंटेंट न देखना पड़े और न ही उसे देखकर गलत या गंदी सोच पनपे। मिलियन व्यूज पाने की होड़ में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सोसाइटी को क्या दे रहे हैं? क्योंकि घूम-फिरकर के वही बातें समाज में गंदे रूपों में सामने आती हैं।

इन या किसी भी युवा को अगर असली हास्य देखना है तो महमूद और सुनील दत्त की फिल्म पड़ोसन, उत्पल दत्त की गोलमाल, धर्मेंद्र-अमिताभ की चुपके-चुपके जैसी फिल्में देखना चाहिए। आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। आज की कुछ फिल्में जैसे आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया, भागमभाग, धमाल जैसी भी हैं, जिन्होंने लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। मगर, रणवीर के जोक में आप सिर्फ खींसे निपोर सकते हैं, क्योंकि बाहर तो आप हंसने का नाटक कर सकते हैं, मगर भीतर आपको भी यह पता होता है कि यह आदमी हमारी सभ्यता को उघाड़ रहा है, उसे तार-तार कर रहा है।

पंजाब के गवर्नर को लंदन जाकर मारने वाले ऊधम सिंह को कौन नहीं जानता है। वे जलियांवाला बाग के हत्यारे जनरल माइकल ओ डायर की हत्या करने के बाद वहां से भागे नहीं। जब जज ने उनसे पूछा कि ऊधम सिंह तुम तो भाग सकते थे, भागे क्यों नहीं तो ऊधम सिंह ने कहा कि मैं भारत के युवाओं को यह मैसेज देना चाहता हूं कि मैं इसलिए फांसी चढ़ रहा हूं ताकि मेरे देश के युवा यह जानें कि देश के लिए जान कैसे दी जाती है? जाहिर है ये आत्ममुग्धता के शिकार, अपनी सभ्यता और संस्कृति का मजाक बनाने वाले और रील्स की दुनिया में खोए रणवीर और रैना जैसे निर्लज्ज युवाओं को तो कतई यह बात समझ नहीं आएगी। वो इसे भी मजाक बनाएंगे। संविधान में भारतीय नागरिकों को अनुच्छेद 19 में वो सारे अधिकार दे दिए गए, जिसके लिए हमारे नायकों ने लंबी लड़ाई लड़ी थी। संविधान में अनुच्छेद 19 से 22 तक कई तरह के अधिकार दिए गए हैं। अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत देश के सभी नागरिकों को वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 19 के ये अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही मिले हैं। अगर कोई बाहर का यानी विदेशी नागरिक है तो उसे ये अधिकार नहीं दिए गए हैं। वाक और अभिव्यक्ति की आजादी को आसान भाषा में समझे तो एक भारतीय नागरिक इस देश में लिखकर, बोलकर, छापकर, इशारे से या किसी भी तरीके से अपने विचारों को व्यक्त कर सकता है। वहीं, अनुच्छेद 19 (2) में उन नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई है जब बोलने की आजादी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। वे शर्तें हैं-कुछ भी ऐसा नहीं बोला जाना चाहिए जिससे भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरा हो। राज्य की सुरक्षा को खतरा हो। पड़ोसी देश या विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बिगड़ने का खतरा हो। सार्वजनिक व्यवस्था के खराब होने का खतरा हो। शिष्टाचार या सदाचार के हित खराब हो। कोर्ट की अवमानना हो। किसी की मानहानि हो। अपराध को बढ़ावा मिलता हो। यही बोलने की हद है, जिसे हम सभी को समझना होगा और अपने बच्चों को भी सिखाना होगा।

वैसे तो समाज में हर बात की प्रतिक्रिया होती है। मगर, सरकार को ऐसे एडल्ट कंटेंट पर भी नजर रखनी चाहिए कि इसके नाम पर कुछ भी नहीं परोसा जा सकता है। इसके लिए हमें संविधान के अनुच्छेद 19 की शर्तों को ध्यान में रखना चाहिए। किसी की बोलने की आजादी तभी तक होनी चाहिए, जब उससे समाज के दूसरे का अहित न हो। एक बाकायदा निगरानी तंत्र भी होना चाहिए, जो सोशल मीडिया पर पब्लिश होने से पहले उसकी 'छंटाई' करे। समय रैना का 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो पहली बार विवादों में नहीं आया है। वह इससे पहले भी आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए यह विवादों में रह चुका है। कॉमेडियन जेसी नबाम ने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में अरुणाचल प्रदेश के लोगों के कुत्ते का मांस खाने के बारे में टिप्पणी की थी, जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ था। इन टिप्पणियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए 31 जनवरी 2025 को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले के सेप्पा निवासी अरमान राम वेली बखा ने ईटानगर में एफआईआर दर्ज कराई थी। वहीं, इससे पहले एक अन्य शो में बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी और डिप्रेशन को मजाक बनाया गया था। इसके बाद समय रैना को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था।

फिल्मों या रचनाओं में गालियों का इस्तेमाल करने वाले यह तर्क देते हैं कि हम जिस समाज में रहते हैं, जब वहां गालियों का इस्तेमाल आम बात है तो फिर इससे परहेज क्यों? ऐसे लोगों को यह समझना होगा कि फिल्में या रचनाएं भले समाज का आईना हैं, मगर ये उसी समाज को आईना भी दिखाती हैं। अगर हम गालियों और गंदे कंटेंट को ज्यादा तवज्जो देंगे तो इससे हमारी नई पीढ़ी के मन पर असर पड़ेगा। तब हमारे आपके ही बच्चों में से कोई नरपिशाच बन जाएगा जो किसी बेटी के साथ निर्भया जैसी बर्बरता करेगा। तब भी क्या हम उन गालियों को सही ठहराएंगे। गीतकार जावेद अख्तर ने एक शो 'चिल सेश' के तीसरे एपिसोड में कहा था कि गाली भाषा में मिर्च के समान है। उन्होंने कहा था कि ओडिशा, बिहार और मैक्सिको या दुनिया में और कहीं जहां भी गरीबी है, वहां के लोग बहुत सारी मिर्च खाते हैं। वहां का खाना फीका होता है ऐसे में टेस्ट को बढ़ाने के लिए वे मिर्च खाते हैं। गाली भाषा की मिर्ची है। अगर आपके जोक में दम नहीं है तो आप मिर्च यानी गाली का इस्तेमाल करोगे। वर्ना आपको इस मिर्ची की जरूरत नहीं पड़ेगी। जावेद अख्तर की इस बात से बहुत हद तक सहमत हुआ जा सकता है। वे कहते हैं कि जब आपकी बातचीत नीरस है तो इसमें उर्जा देने के लिए अपशब्दों का प्रयोग करना ही पड़ेगा। जो इंसान गाली देता है, इसका मतलब है कि उसे अपनी ही भाषा के शब्द नहीं आते हैं। उसके पास शब्दों की कमी है।

रणवीर ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा- मेरा कमेंट सही नहीं था और फनी भी नहीं था। कॉमेडी मेरी विशेषज्ञता नहीं है। मैं इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं दूंगा। मैं बस सभी से माफी मांगना चाहता हूं। जो हुआ वह कूल नहीं था। परिवार की बेइज्जती मैं नहीं करूंगा। मैंने मेकर्स से कह दिया है कि विवादित टिप्पणी को हटा दिया जाए। मुझसे गलती हुई है। इंसानियत के नाते शायद आप मुझे माफ कर देंगे। मुझे इस प्लेटफॉर्म का और बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था। यह मेरे लिए सबक है और मैं और बेहतर होने की कोशिश करूंगा। कपिल शर्मा के शो पर शैलेश लोढ़ा ने एक बार कहा था जिस शो में दादी को बेवड़ी और बुआ को ठरकी दिखाकर पारिवारिक रिश्तों का मजाक उड़ाया जाता हो, वो हमारी संस्कृति को कहा ले जाएंगे। सभ्य हास्य का पतन इस शो से ही शुरू हुआ। रणवीर अल्लाहबादिया कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में नजर आए थे, जहां उन्होंने एक कंटेस्टेंट से कहा था-क्या आप अपने माता-पिता को अपने जीवन के बाकी हिस्से के लिए हर दिन संबंध बनाते हुए देखेंगे या एक बार शामिल होंगे और इसे हमेशा के लिए रोक देंगे? रणवीर के इसी बयान को लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है और लोग भड़के हुए हैं।

केजरीवाल- अन्ना आंदोलन से सत्ता के शिखर तक और पतन की कहानी

2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ज़बरदस्त आंदोलन जनलोकपाल हुआ। इस आंदोलन ने देशभर में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना को जन्म दिया और केजरीवाल को एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में स्थापित किया। अरविंद केजरीवाल ने अन्ना हजारे के नेतृत्व में जन लोकपाल विधेयक की मांग को लेकर भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई और 2012 में आम आदमी पार्टी (क्क) का गठन हुआ। क्क ने राजनीति में पारदर्शिता और आम जनता की भागीदारी का वादा किया और 2013 में केजरीवाल के नेतृत्व में पहली बार दिल्ली में सरकार बनाई। 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में, आप ने 28 सीटें जीतकर कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई । एक चतुर राजनीतिज्ञ की तरह केजरीवाल ने हालांकि यह सरकार केवल 49 दिनों तक चलाई और लोकपाल बिल नहीं बना सकने का ठीकरा कांग्रेस और भाजपा पर फोड़, सरकार खुद ही गिरवा दी। 2015 में, आप ने 70 में से 67 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया, और 2020 में भी 62 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की।

आरंभ में तो केजरीवाल की सरकार अपने सभी महत्वपूर्ण नेताओं को साथ में लेकर चली, पर धीरे-धीरे पार्टी के भीतर आंतरिक कलह के कारण प्रमुख नेताओं का पार्टी से अलग होना शुरू हुआ। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, और कुमार विश्वास जैसे संस्थापक सदस्यों ने पार्टी नेतृत्व पर सिद्धांतों से भटकने और आंतरिक लोकतंत्र की कमी के आरोप लगाए, जिसके परिणामस्वरूप वे पार्टी से अलग हो गए। इनके पार्टी छोड़ने से क्क की वैचारिक नींव कमजोर हुई। केजरीवाल के इन करीबी सहयोगियों ने पार्टी के भीतर असहमति को दबाने के आरोप , तानाशाही रवैये और सत्ता केंद्रित राजनीति का आरोप लगाकर पार्टी छोड़ दी। जब 2013 में अरविंद केजरीवाल पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने खुद को एक आम आदमी के रूप में प्रस्तुत किया था। वे मेट्रो से दफ्तर जाते थे, सरकारी बंगले में रहने से इनकार कर दिया था, और यहां तक कि कहा था कि वे बड़े नेताओं की तरह ऐशो-आराम में विश्वास नहीं रखते। लेकिन समय के साथ उनकी इस छवि पर सवाल उठने लगे। केजरीवाल की 'सादगी' वाली छवि को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब उनके सरकारी आवास पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने का मामला सामने आया। इसे 'शीशमहल कांड' कहा गया, जिसमें इटैलियन मार्बल, महंगे परदे, आलीशान इंटीरियर और ङ्कढ्ढक्क सुविधाओं पर जनता के टैक्स का पैसा खर्च होने के आरोप लगे। विपक्ष ने इसे 'क्क का ङ्कढ्ढक्क कल्चर' करार दिया और केजरीवाल की 'आम आदमी' वाली छवि को धूमिल कर दिया। केजरीवाल सरकार ने सरकारी स्कूलों और मोहल्ला क्लीनिकों के जरिये शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार किए, जिससे उन्हें जनता का समर्थन मिला। 2015 और 2020 में उन्होंने भारी बहुमत से चुनाव जीते, लेकिन समय के साथ उनकी राजनीति पर सवाल उठने लगे। दिल्ली की जनता ने भी पहले तो आप सरकार के दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये महत्वपूर्ण सुधारों को सराहा। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, मोहल्ला क्लीनिकों की स्थापना, और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार की सराहना कई स्तर पर की गई। पर धीरे-धीरे भ्रष्टाचार के आरोप, कांग्रेस के विरोध से बनी इस पार्टी का खुद कांग्रेस जैसा बन जाना, पार्टी के महत्वपूर्ण नेताओं का भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबे समय तक जेल में बंद रहना, केजरीवाल का सादगी की जगह से वीआईपी कल्चर अपना लेना, जेल के दौरान अपनी पत्नी को सरकार में महत्व देना, खालिस्तानियों के साथ मिलकर देश विरोधी काम करने का आरोप और एंटी-इन्कंबेंसी इत्यादि कारणों से लोगों में नाराज़गी आने लगी। केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थक समूहों से समर्थन लेने के आरोप लगे, जिनमें 'सिख फॉर जस्टिस' जैसे संगठन शामिल थे। शराब नीति में कथित अनियमितताओं के कारण उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी और अरविंद केजरीवाल पर भी जांच की तलवार लटकने को भाजपा ने अच्छे से भुनाया। रही सही कसर केजरीवाल के अति आत्मविश्वास और अहंकार के चलते आप पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन भी नहीं किया। इन सब कारणों के चलते 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में, आप को 22 सीटों पर सिमटकर अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में, अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से भाजपा के प्रवेश वर्मा से 4,089 वोटों से हार गए। मनीष सिसोदिया जंगपुरा सीट से भाजपा के तरविंदर सिंह मारवाह से 675 वोटों से पराजित हुए। विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन न करना हार का एक बड़ा कारण था, क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशियों को मिले वोट हार-जीत के अंतर से अधिक थे।

चुनाव में बहुमत हासिल करने के बाद, भाजपा ने दिल्ली में सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम चर्चा में हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। भाजपा की रणनीति में दिल्ली के विकास, कानून-व्यवस्था में सुधार, और भ्रष्टाचार मुक्त शासन पर जोर दिया जाएगा। चुनाव के तुरंत बाद एलजी ने दिल्ली सचिवालय को सील कर दिया और क्क सरकार के कार्यकाल की जांच के आदेश दिए। वहीं आप की इस हार के बाद, पार्टी के लिए आत्ममंथन आवश्यक है। भविष्य में, पार्टी को अपने सिद्धांतों पर पुनर्विचार, आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना, और जनता के विश्वास को पुनः प्राप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। वहीं, भाजपा की नीतियों और उसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, दिल्ली और देश की राजनीति में नए समीकरण उभर सकते हैं।

केजरीवाल, जो कभी जनता के नायक थे, वे सत्ता में आने के बाद उसी ङ्कढ्ढक्क संस्कृति का हिस्सा बन गए, जिसका उन्होंने विरोध किया था। शीशमहल विवाद, भ्रष्टाचार के आरोप, और भाजपा की प्रभावी रणनीति ने क्क को सत्ता से बेदखल कर दिया। अब सवाल यह है कि क्क इस हार से सबक लेकर वापसी कर पाएगी या नहीं?

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

वेलेंटाइन डे! युवा पीढ़ी वास्तविकता को समझें...

हम भारत की प्राचीन संस्कृति एवं संस्कारों को अंग्रेजों की दूषित संस्कृति एवं संस्कारों के प्रभाव से भूल गए है। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना कर एक के बाद एक संस्कारों पर कुठाराघात किया। उन्होंने लंबे समय तक भारत को गुलाम बनाए रखने एवं बेरोकटोक राज करने की योजना देश के युवकों को पथभ्रष्ट करने की बनाई। भारत में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को समाप्त करने कॉन्वेन्ट शिक्षा का जाल फैलाया। भारत में सहशिक्षा प्रारंभ करने अंग्रेजों ने सबसे पहले मुंबई, कलकत्ता और मद्रास में विश्वविद्यालय खोले। शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर अंग्रेजों ने युवापीढ़ी को संस्कारहीन बनाने की शुरुआत की। आज की युवा पीढ़ी में अनेक विकृतियां आ गई हैं, उनमें ही एक कुप्रथा वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस है। पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर भारत में भी 14 फरवरी को हर वर्ष अविवाहित युवक-युवती वेलेंटाइन डे जोर शोर से मनाते हैं। इस दिवस को हिन्दी में प्रेम प्रसंग दिवस कहते हैं। प्रेम, प्यार, स्नेह, ममता गले मिले बिना जीवन अधूरा है। प्यार का मतलब वासना समझना और पूर्ति के लिये निस्वार्थ प्रेम को तिलांजलि देना जीवन को धूल बनाना है। पाश्चात्य संस्कृति और भारतीय संस्कृति में मूल अंतर है। पाश्चात्य संस्कृति जीवन का उद्देश्य मात्र भौतिक सुख को पाना मानती है। जब तक स्त्री सांसारिक सुख दे तब तक साथ रखो, फिर बदल दो। जबकि भारतीय संस्कृति मानव जीवन का उद्देश्य चार पुरुषार्थ को पूर्ण करना मानती है। ये चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बताए हैं।

समाधिस्थ दिगम्बर जैन आचार्य संत शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज एवं उनके परम प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से ऐलक धैर्य सागर जी के संयोजन में 'लव केमिस्ट्री' पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। पुस्तक में विस्तार से उल्लेख किया है कि वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस की पाश्चात्य परंपरा कैसे प्रारंभ हुई। आज से लगभग 1600 वर्ष पूर्व रोम में वेलेंटाइन नाम के संत हुए जिन्होंने स्त्रियों के दुखी होकर उन्हें पुरुष की दासता से बचाने, प्यार को वासना की गुलामियों से मुक्ति का अभियान चलाया, उन्होंने भारतीय साहित्य पढ़कर भारतीय संस्कृति के संस्कारों का प्रचार शुरू किया। भारतीय जीवन शैली की महत्ता को स्थापित करते हुए प्यार को अमर बनाने बाली विवाह पद्धति के अनुसार हजारों युवक-युवतियों को जो आपस में प्यार करने के नाम पर शारीरक वासना में लिप्त थे, उन्हें जीवनभर साथ रहने का संकल्प कराया। उनका विवाह करवाया। इस तरह उनके नैतिक आचार विचार से प्यार या लव वासना के दल दल अथवा कीचड़ में गिरकर गंदा होने से बच गया था। और जीवन सच्चे प्यार सुखी दाम्पत्य जीवन की सुगंध से महक उठा। रोम के क्रूर अत्याचारी राजा फ्लोडियस को महान संत वेलेंटाइन का यह समाज सुधारक पवित्र कार्य अच्छा नहीं लगा।

राजा ने वेलेंटाइन को 14 फरवरी सन 498 को फांसी पर चढ़ा दिया। उन हजारों लोगों, वैवाहिक जोड़ों जिनके जीवन में संत वेलेंटाइन की प्रेरणा और सद्प्रयास से समय से दाम्पत्य जीवन में खुशी आई थी,उन्होंने ने अपने अमर प्रेम की सौगात मानकर 14 फरवरी को प्रतिवर्ष उस महान आत्मा को याद करने लगे और यह दिवस को वेलेंटाइन डे बन गया।

राजकीय इंटर कॉलेज,नेहरू मार्केट सहारनपुर में कार्यशाला का आयोजन किया गया

कार्यशाला में छात्रों, शिक्षकों तथा जनपद के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेफर इन्टरनेट डे (सुरक्षित इंटरनेट दिवस) मनाया गया। ताकि आम जनमानस, खासकर बच्चों, महिलायों और युवाओं के बीच इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग हेतु जागरुकता बढ़ाई जा सके। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के बीच जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देते हुए विभिन्न इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं, साइबर स्वच्छता, प्रमुख साइबर खतरों और प्रभावी रणनीतियों के बारे में शिक्षित करना है। जिसके क्रम में आज राजकीय इंटर कॉलेज, नेहरू मार्केट सहारनपुर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों, शिक्षकों तथा जनपद के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यशाला में श्री मोहित त्यागी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहारनपुर द्वारा आजकल हो रहे साइबर अपराध जैसे डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, मैलवेयर, KYC फ्रॉड, पार्सल फ्रॉड, ईकॉमर्स फ्रॉड, आइडेंटिटी थेफ्ट इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई तथा इन साइबर फ्रॉड से कैसे बचा जाय इस पर चर्चा की गई।

मंडलायुक्त ने किया जरूरतमंद, निःसहाय एवं ग़रीबों को निःशुल्क भोजन का वितरण

प्रभु जी की रसोई का सेवाकार्य अद्वितीय – मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, अन्नदान महादान का वर्णन सभी वेद पुराणों में लिखा है। अन्नदान का पुण्य कार्य प्रभु जी की रसोई द्वारा किया जा रहा है। प्रभु जी की रसोई का सेवाकार्य अद्वितीय है। उक्त विचार आज यहां लोक कल्याण समिति एवं नगर निगम के तत्वावधान में संचालित प्रभु जी की रसोई में मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने व्यक्त किये। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने कहा कि सभी धर्मों में अन्नदान को महादान माना है, अन्नदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। प्रदेश में अपने आप में अनोखी इस रसोई के द्वारा जो निसहाय व जरूरत लोगों को नि:शुल्क भोजन कराया जा रहा है, सराहनीय कार्य है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गंगा की धारा अविरल रूप में सभी का कल्याण करती है, उसी प्रकार प्रभु जी की रसोई अविरल रूप से मानव सेवा कर रही है, जो कि सेवा भाव का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रभु जी की रसोई को वह नहीं स्वयं प्रभु जी की चला रहे हैं। उन्होंने समिति को आश्वसन दिया कि वह समय जब भी समय मिलेगा प्रभु जी की रसोई में आते रहेंगे। इस अवसर पर उन्होंने माघ पूर्णिमा व संत रविदास जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व मंडलायुक्त अटल कुमार राय का समिति सचिव, शीतल टण्डन, कर्नल संजय मिडढा ने पटका पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंटकर जोरदार स्वागत किया और भव्य राममंदिर व एक पुस्तक भी भेंट की गयी।
लोक कल्याण समिति के सचिव एवं प्रभु जी की रसोई के संचालक शीतल टण्डन एवं कर्नल संजय मिड्ढा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभु जी की रसोई का प्रारंभ 9 अगस्त 2017 को किया गया था जो कि लगभग साढ़े आठ वर्षों से लगातार जारी है और अब तक लगभग 11 लाख से अधिक जरूरतमंदों, निसहाय लोगों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करा चुकी है और यह प्रयास निरंतर अविरल जारी रहेगा। श्री टण्डन ने बताया कि लॉकडाउन अवधि में तो प्रभु जी की रसोई द्वारा प्रतिदिन हजारों लोगों को भोजन वितरित किया। रसोई प्रतिदिन संचालित हो रही है और उत्तम क्वालिटी का भोजन शुद्धता के साथ तैयार कराकर वितरित किया जाता है। श्री टण्डन ने बताया कि प्रभु जी की रसोई के सेवा कार्य से प्रभावित होकर अपनी वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन आदि मनाने के लिए आते हैं और भोजन वितरित कर सेवा करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, पारिवारिक समूह, समाजसेवियों द्वारा भी पूर्ण सहयोग किया जाता है और सेवा भाव से प्रभु जी की रसोई में आकर सहयोग प्रदान किया जाता है।
इस अवसर पर मुख्य रूप से शीतल टण्डन, कर्नल संजय मिडढा, मेजर एस.के.सूरी, आर.के.वर्मा, गुलशन नागपाल, के.एल.दावडा, कृष्ण लाल मिड्ढा, अशोक मलिक, मुरली खन्ना, संजीव सचदेवा, संदीप मिडढा, आशीष सिंघल, दीपक कुमार, नीरज बंसल, नीलिमा बंसल, शोभा राठौर, प्रवीन मोंगा, भूपेन्द्र मोंगा आदि मौजूद रहे।

गुरू रविदास जी के 648 वें जन्मोत्सव पर नगर में भव्य शोभायात्रा धूमधाम से बैंडबाजों और आर्कषक झांकियों के साथ निकाली गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, संत शिरोमणि गुरू रविदास युवा समाज विकास समिति द्वारा आयोजित गुरू रविदास जी के 648 वें जन्मोत्सव पर नगर में भव्य शोभायात्रा धूमधाम एवं बैंडबाजों, आर्कषक झांकियों के साथ रविदास मार्ग जाटव नगर से आरंभ की गई। भव्य शोभा यात्रा में स्वामी दीपांकर जी महाराज ने विचार रखे। राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने भी उनके जीवन पर प्रकाश डाला। शोभा यात्रा का उद्घाटन विपिन गर्ग अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी ने सिध्द कर दिया है कि गृहस्थ जीवन में रहकर भी ईश्वर को प्राप्त किया और लोग उनके दर्शन से प्रभावित होकर उनके शिष्य बनते गये। मान्यता है कि मीराबाई भी प्रभावित होकर उनकी शिष्य बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विपुल कुमार जाटव एवं डा0 प्रमोद तेजियान ने गुरू रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने मानव की सेवा को ही धर्म की संज्ञा दी और उन्होंने लोगो को बताया कि व्यक्ति का धर्म कोई भी हो लेकिन कर्म ही उसे महान बनाता है। अति विशिष्ट अतिथि राजकिशोर गुप्ता चेयरमैन दूनवैली, अजय गांधी, सुधा गांधी सभासद ने भी अपने विचार व्यक्त किए कहा की हमको संतो के बताये मार्ग पर चलकर समाज मे बुरा?इयो का अन्त करके सचाई के मार्ग चलना चाहिए। कार्यक्रम अतिथि डा0 प्रदीप बाबरा ने धर्म ध्वजारोहण स्थापित किया। अरूण गौतम, मुकेश, विजय, सुनील कुमार ने संत रविदास की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर अशोक गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार, अरूण गुप्ता नगर अध्यक्ष भाजपा,ऊ सुभाष कुमार प्रधान, डा0 अरविंद जौहरी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। श्याम चौहान सभासद प्रतिनिधि ने गुरु रविदास जी प्रतिमा पर पटका भेंट किया विजय त्यागी ब्लाक प्रमुख प्र 0संत गुरू रविदास की आरती कर फल प्राप्त किया प्रशासनिक अधिकारी दीपक कुमार उपजिलाधिकारी, रविकांत पाराशर पुलिस क्षेत्राधिकारी, अमित कुमार सिंह तहसील, धीरेंद्र राय आदिवासी आधी ने गुरू रविदास की प्रतिमा माल्यार्पण किया। शोभा यात्रा का शुभारंभ राजकिशोर गुप्ता ने नारियल तोड़कर किया। शोभा यात्रा रविदास मार्ग जाटव नगर से जी.टी रोड., शाहजीलाल, मेन बजार, ठाकुर द्वारा मन्दिर, सर्राफा बाजार, हनुमान चौक, कायस्थवाडा, मंगलोर चौकी, .जी.टी.रोड. से होकर जीतगीरी मन्दिर रविदास मार्ग पहुँची। समापन समारोह भी आयोजित किया गया। सभी सम्मानित आतिथ्यो को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। इस अवसर पर पोपिन कुमार स्वास्थ्य निरीक्षण, कर्म सिंह, भगत राज, आन्नद, वीर सिह, दिनेश ओमवीर, ओमप्रकाश, समिति के अध्यक्ष बाबूराम, महामंत्री प्रवीण कुमार, कोषाध्यक्ष उमेश कुमार, आडिटर नितिन कुमार, वेद प्रकाश जाटव, यशपाल सिह, डा0 सत्यम, विक्की निगम अरविंद कुमार.म, अमरदीप प्रोहित, दलीप कुमार, पंकज कुमार, सन्नी कुमार, शुभम निगम, प्रवीण कुमार, सुशील जाटव, कार्यक्रम संयोजक राजकुमार जाटवम ने सभी आभार व्यक्त किया संचालन जोगिन्द्र जाटव ने किया।

महामहिम व सीएम से सम्मानित लालबर्रा कि बेटी के आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

चिर-परिचित व नाते रिश्तेदारों ने किया आत्मीय अभिनंदन,घर आंगन को सजाया गया

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय में स्थित सीएम राइस शासकीय विघालय में शिक्षक के पद पर पदस्थ पनबिहरी लालबर्रा निवासी सनत दुबे कि बेटी जो कि महामहिम राज्यपाल व मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों सम्मानित होने व उनके घर आगमन पर आतीशबाजी कर,तिलक लगाकर फुलमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। सार्जेंट वसुंधरा दुबे कि उपलब्धी व उनके आगमन कि जानकारी उनके पिता श्री सनत दुबे व माता श्रीमती योगिता दुबे ने अपने नाते-रिश्तेदारों शुभचिंतकों को अपने स्तर से अवगत कराये जैसे हि नगर मुख्यालय के शासकीय विश्राम गृह में 11 फरवरी कि शाम को उनका आगमन हुआ,उनके स्वागत हेतु सभी लोग एकत्रित हुए तथा उनके आगमन के पुर्व हि स्वागत कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई,जैसे हि दुबे परिवार कि बेटी वसुंधरा दुबे का बस के माध्यम से लालबर्रा में आगमन हुआ उपस्थित लोगों ने आतिशबाजी कर फुल-माला पहनाकर तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किये । शिक्षक श्री दुबे जी ने जानकारी देते हुए बताया कि सार्जेंट वसुन्धरा दुबे जो कि नानाजी देशमुख वेटनरी कालेज जबलपुर की छात्रा हैं,इन्होंने आरडीसी 2025 के लिए न्यू दिल्ली में आयोजित नेशनल लेवल हॉर्स राइडिंग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया।सार्जेंट वसुन्धरा दुबे को 04 फरवरी 2025 को भोपाल में महामहिम राज्यपाल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मेडल से सम्मानित किया गया तथा अगले दिन 05 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव के हस्ते मेडल एवं एक लाख रुपए का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।सार्जेंट वसुन्धरा का महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया।अपने घर लालबर्रा,बालाघाट आने पर माता पिता भाई बहन,बड़े पापा, मम्मी,शाला परिवार व नगर वासियों द्वारा द्वारा स्वागत किया गया।आगमन पर घर आंगन सजाया गया,पटाखे फोड़े गए,माला पुष्प गुच्छ,उपहार दिए गए। प्रेस से चर्चा में वसुंधरा दुबे ने बताया कि हमारे यहां एनसी फस्ट टेंडिग होती है तो हमने उसी के जरिए सिखा तो मैं इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहती हूं अपने माता-पिता को और मैं बहुत ज्यादा धन्यवाद करना चाहती हूं अपने गुरुवों को जिन्होंने मुझे यह सिखाया मेरे सीईओ कर्नर विवेक मिश्रा सर को मेरे जे ए सीईओ नित्यानंद यादव सर को और सीईओ शोभाराम सर को मेरे साथ कुल 23 एंट्रीया गयी थी जिसमें मैंने नोवीस में खेला है तो 23 एंट्रीयों में भाग लिया था। अंत में शिक्षक श्री दुबे सर ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किये तथा कविता के माध्यम से नारी शक्ति को सशक्त बताया गया है।

पनपथा बफर जोन के जगुवा बीट मे बाघ की दस्तक दो ग्रामीणों मे किया हमला

हाथियों की मदद से किया गया रेस्क्यू,बाघ को गाँव से जंगल की ओर भगाया

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, जिले के बरही के पनपथा बफर जोन के जगुवा बीट मे एक बाघ ने दस्तक दें दिया, बाघ के आ जाने से गाँव मे अफरा तफरी का माहौल हो गया जिसकी जानकारी तत्काल वन विभाग को दी गई। बाघ ने दो ग्रामीणों पर हमला कर घायल कर दिया जिनका उपचार शासकीय जिला चिकित्सालय मे जारी हैं। वही बाघ के संबंध मे जानकारी प्राप्त होनें पर मौके पर पहुचे वन विभाग की टीम ने बाघ को भागने के लिए ताला से दो हाथी मगाया गया। जिससे हाथियों की मदद से लगभग चार घंटे चले
रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफ़ी मस्कट के बाद बाघ को गाँव से जंगल की ओर भगाया गया। वन विभाग और हाथी दल के सदस्यों की बहादुरी और सूझबूझ से खतरनाक ऑपरेशन को सफलता पूर्वक पूरा किया गया।

तेज गति से वाहन चलाने वालों पर इंटरसेप्टर से रखी जा रही है, नजर

जनवरी माह में 45 वाहन चालकों पर हुई कार्यवाही

52,000 रुपए लगाया गया जुर्माना

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, सड़क दुर्घटना एवं दुर्घटना में मृत्यु को रोकने के उद्देश्य से यातायात पुलिस अनूपपुर द्वारा लगातार अभियान चलाकर दुर्घटना के मुख्य कारण तेज गति एवं शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। जनवरी माह में वाहन चेकिंग दौरान 45 वाहन चालकों को निर्धारित गति से अधिक गति पर वाहन चलाते पाया गया। इन वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 112/183 के तहत कार्यवाही की गई तथा चालक का लाइसेंस भी निलंबन हेतु संबंधित आरटीओ कार्यालय भेजे गए।
चेकिंग दौरान 25 ट्रक चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए, जिनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्यवाही कर प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किए गए। जिन पर न्यायालय द्वारा 2,25,000 का जुर्माना लगाया गया।
- यातायात पुलिस अनूपपुर।

100 दिवसीय क्षय रोग मुक्ति अभियान अंतर्गत जिला स्तर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

क्षय रोग से जिले को मुक्त बनाने एसईसीएल बना सहभागी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आव्हान पर चलाए जा रहे 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अनूपपुर जिले को क्षय रोग से मुक्त करने की दिशा में सशक्त कार्य किए जा रहे हैं साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) के सीएसआर मद अंतर्गत जिला चिकित्सालय अनूपपुर स्थित स्व सहायता भवन में बुधवार 12 फरवरी को क्षय रोगियों के निदान और उपचार में होने वाली देरी को कम करने के लिए, उन्नत जांच का उपयोग करके मरीज चिन्हांकन अभियान को सशक्त बनाने,समानांतर रूप से टीबी के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाले रोगियों की विशेष देखभाल, निक्षय पोषण, आदि विषय पर चर्चा कर अभियान को गति देकर और सशक्त किए जाने पर बल दिया गया। आज कार्यक्रम में टीबी हारेगा, भारत जीतेगा थीम को मजबूती प्रदान कर क्षय रोग पर विजय प्राप्त करने का संकल्प लिया गया। जिले में जिला प्रशासन आर के एचआईव्ही रिसर्च एंड केयर सेंटर मुंबई तथा एसईसीएल द्वारा संयुक्त रूप से कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन तथा एसईसीएल के निदेशक कार्मिक श्री विरंची दास जनरल मैनेजर सीएसआर श्री आलोक कुमार के सहयोग से क्षय रोग उन्मूलन पर कार्य किया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में एसडीएम अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरके वर्मा एसईसीएल जमुना कोतमा के महाप्रबंधक श्री पीके त्रिपाठी महाप्रबंधक ऑपरेशन श्री अजय कुमार तथा आर के एचआईव्ही रिसर्च एंड केयर सेंटर मुंबई के अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार जिला क्षय अधिकारी डॉ एस सी राय जमुना कोतमा क्षेत्र के सीएसआर अधिकारी डॉ सतीश कुमार डीएलसी डॉ शिवेंद्र द्विवेदी एसईसीएल हेड क्वार्टर के श्री पीयूष प्रताप मल, श्री अरनव मंडल डब्ल्यूएचओ के संभागीय सलाहकार डॉ दिव्यांशु शुक्ला आरके एचआईव्ही रिसर्च एंड केयर सेंटर मुंबई की योगिता बोरकर, श्री राहुल सिंह सहित प्रबुद्ध जन, समाजसेवी तथा स्वास्थ्य विभाग के लैब टेक्नीशियन श्री भाई लाल पटेल अन्य अधिकारी, कर्मचारी व हितग्राही बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा निशुल्क भंडारे का किया गया आयोजन

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, सनातन आस्था का सबसे बड़ा समागम महाकुंभ प्रयागराज में हों रहा हैं जिसमे श्रद्धालु पूरे देश और दुनिया के कोने-कोने से त्रिवेणी के पवित्र संगम में डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहें। इस महा आयोजन में धर्म के प्रति आस्थावान महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं उनके सहयोगियों की तरफ से भंडारों का आयोजन किया जा रहा हैं। जहाँ पर स्टाल लगाकर समस्त श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई हैं। निशुल्क भंडारों के आयोजन से महाकुंभ में आने जाने वाला कोई भी श्रद्धालु भूखा नहीं रहेंगा। इस संबंध मे महापौर प्रीति संजीव सूरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेला के दौरान निशुल्क भंडारों का आयोजन किया गया हैं, जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं को भोजन प्रदान किया जा रहा हैं । रेलवे स्टेशन के साथ-साथ शहर के प्रमुख चौराहो और मार्गों में भी भंडारे आयोजित किए जा रहें हैं.

खरगोन में ड्रोन द्वारा सर्चिंग, भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

खरगोन खरगोन जिले में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा के आदेश पर एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में जिले के आबकारी बल, पुलिस एवं राजस्व के संयुक्त दल द्वारा अतिसंवेदनशील महेश्वर के ग्राम सोमाखेड़ी एवं कसरावद के ग्राम भीलगांव में अवैध मदिरा के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया गया। जिसमें ड्रोन कैमरे के सहायता से अवैध मदिरा के ठिकानों को चिन्हित कर दबिश दी गई। जिसमें 985 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई एवं 16700 किलोग्राम महुआ लहान मौके पर विधिवत सैंपल लेकर नष्ट किया। जब्त मदिरा एवं महुआ लहान का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 21 लाख रुपए है। अवैध मदिरा के विरुद्ध की गई कार्रवाई में कुल 25 प्रकरण पंजीबद्ध कर 04 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। उक्त प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) (क) (च)एवं 34(2)के अंतर्गत दर्ज किए गए द्य

दोनों अतिसंवेदनशील ग्रामों में पूर्व में भी आबकारी दल एवं पुलिस बल पर आदतन अपराधियों द्वारा हमले की घटनाएं घटित हो चुकी है। जिसके मद्देनजर आबकारी पुलिस एवं राजस्व विभाग के लगभग 150 अधिकारी कर्मचारी द्वारा उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्यवाही में आधुनिक यंत्रों जैसे ड्रोन कैमरा आदि के माध्यम से अवैध मदिरा के स्थानो को चिन्हित कर छापेमार कार्रवाई की गई। जिसमें भारी मात्रा में अवैध मदिरा एवं मदिरा निर्माण की सामग्री मौके से जब्त की गई। इस पूरी कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा एवं सहायक आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी ने मौके पर उपस्थित रहकर कार्यवाही को अंजाम दिया। आज की गई कार्यवाही में संयुक्त दल में एडीशनल एसपी श्री मनोहर बारिया, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री मनोहर गवली, आबकारी कंट्रोलर एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सजेंद्र मोरी, तहसीलदार श्री सस्तिया एवं थाना मंडलेश्वर एवं कसरावद तथा पुलिस लाइन का बल एवं जिला खरगोन आबकारी के समस्त वृत उप निरीक्षक तथा स्टाफ का योगदान रहा।

सभी अपने-अपने त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं - कलेक्टर श्री गुप्ता

कलेक्टर श्री गुप्ता की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

खंडवा

आगामी शब-ए-बारात, महाशिवरात्रि, होली-धुलेंडी, रंग पंचमी, गुड़ी पड़वा, गणगौर, महावीर जयंती, हनुमान जयंती आदि त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के संबंध में बुधवार को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने शांति समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने त्यौहार भाईचारे, सौहार्द पूर्ण रूप से एवं शांति पूर्वक मनाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने नगर निगम के अधिकारी को निर्देश दिए कि समय पर रोशनी, साफ-सफाई एवं पीने के पानी की व्यवस्था रहे। साथ ही उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध रहे इसका विशेष ध्यान रखा जायें एवं बिजली के झूलते हुए तारों का निराकरण किया जाए, जिससे कोई दुर्घटना न हो।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें और कोई भी मैसेज फारवर्ड करने से पहले उसके तथ्य को अवश्य जान लें। भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी आयोजकों से कहा कि वे समय से अनुमति लेना सुनिश्चित करें, ताकि पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सके। उन्होंने कहा कि अनुमतियों में दी गई शर्तों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आयोजक कार्यक्रम के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरे अवश्य लगायें, जिससे कि किसी भी प्रकार की घटना की जानकारी मिल सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जुलूस में धारदार हथियार लेकर न चलें, अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने एसडीएम को निर्देश दिए कि हर त्यौहार की अनुमति अलग अलग दी जायें एवं उसमें शर्तें भी लिखी जायें। उन्होंने सी.एम.एच.ओ. को निर्देश दिए कि त्यौहार के दौरान एम्बूलेंस की व्यवस्था उचित रहे। उन्होंने कहा कि सभी पक्ष ध्यान रखें कि डीजे का उपयोग अनावश्यक रूप से ना किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी से कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रहे एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही करें। उन्होंने शांति समिति के सभी सदस्यों से कहा कि वे स्वयं एवं उनके वॉलंटियर्स त्यौहारों के समय पुलिस और प्रशासन के सहयोग के लिए रहें। बैठक में उन्होंने कहा कि जो भी व्यवस्थाएं की जाती रही हैं उनको और बेहतर बनाने के लिए समिति के सुझावों पर कार्य किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक श्री मनोज राय द्वारा कहा गया कि परम्परागत तरीके से आपसी समन्वय बनाकर एवं नियमानुसार त्यौहार मनाएं। उन्होंने कहा कि त्यौहार पर किसी प्रकार की अफवाहें न फैलाएं, यदि आपके संज्ञान में कुछ आता है तो तत्काल उसकी सूचना दें, कार्यवाही की जायेगी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री के.आर. बड़ोले, श्री अरविंद चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र सिंह तारणेकर, एसडीएम खण्डवा श्री बजरंग बहादुर सहित शांति समिति के सदस्य तथा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

मेघनगर निःशुल्क मेगा शिविर के प्रथम दिन 12 फरवरी को 567 मरीजों की निशुल्क जांच हुई,जांच का अंतिम दिवस 13 फरवरी

एपिक हॉस्पिटल अहमदाबाद के 35 सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर की टीम 16 फरवरी को करेगी बीमारी का निदान शिविर का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य

मेघनगर संथारा साधक समाज रत्न हसमुखलाल वागरेचा की प्रथम पुण्य स्मृति में मेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बुधवार को प्रथम दिन 567 मरीजो की निशुल्क जांच की गई 13 फरवरी को भी जांच जारी रेहगी वही 16 फरवरी रविवार को अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध एपिक हॉस्पिटल के डॉक्टर अनिल जैन के नेतृत्व में 35 से अधिक डॉक्टरों की टीम मेघनगर के महावीर भवन में आयोजित होने वाले निशुल्क जांच निदान में अपनी सेवाएं देंगे। वागरेचा परिवार के संजय,पंकज एवं निलेश ने जानकारी देते हो बताया कि शिविर के प्रथम दिन मुक्ति प्रभाजी म. सा. ने मंगलपाठ सुनाकर शिविर को प्रारंभ करवाया. प्रथम दिन स्वास्थ्य लाभ लेने वालों का काफी उत्साह देखने को मिला. शिविर में जरूरतमंदों की मदद व हमारे दादा-दादी पिताजी प्ररेणा में जो संस्कार हमारे वागरेचा परिवार को मिले है हम हर जरूरतमंद की मदद कर सेवा के लिए संकल्पित होते हुए मानव सेवा कर प्रथम दिन आत्म शांति से अभिभूत हुए।शिविर के आयोजक ने बताया कि शिविर में 12 तारीख से 16 तारीख तक मुंबई से कैंसर डायग्नोसिस स्कैनिंग की स्पेशल बस 5 दिनों तक मेघनगर शिविर में अपनी निशुल्क सेवा में दे रही है इसमें कैंसर से संबंधित संपूर्ण जांच आप नि:षुल्क करवा सकते हैं. जिसमें गुटखा खाने एवं सिगरेट पीने से मुंह में छाले पड़ना एवं मुंह की पूरी स्कैनिंग साथी ब्रेस्ट कैंसर एवं अन्य बॉडी में होने वाले कैंसर की दुष्परिणाम स्कैनिंग कर यथासम्भव जांच होगी।

इन संस्थाओ का मिल रहा शिविर को सफल बनाने में सहयोग इस विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में पंजीयन से लेकर मरीज के आने-जाने की व्यवस्था उनकी देखभाल उनके आराम स्वल्पाहार एवं अन्य परिवहन व्यवस्थाओं को लेकर मेघनगर के सकल जैन श्रीसंघ, समस्त पत्रकार संघ, रोटरी क्लब अपना, वैश्य महासम्मेलन ,दी जॉइंट्स एवं डायमंड ग्रुप, जीवन ज्योति हॉस्पिटल, यूनिक पैथोलॉजी, पडवाल अस्पताल के साथ शासन प्रशासन का भी इस भव्य मेगा शिविर में सहयोग मिल रहा है,आपको बता दे कि आज 13 फरवरी को प्री मेडिकल कैंप महावीर भवन मेघनगर में आयोजित होगा. विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा पेसेंट की नि:शुल्क जांच कर बीमारी की हिस्ट्री व

फाइल त्यार की जावेगी व 16 फरवरी को निदान एवं निशुल्क तथा संभव दवाई वितरण एपिक हॉस्पिटल के 35 अनुभवी डॉक्टरों के दल द्वारा महावीर भवन मेघनगर में होना है इसके लिए 13 फरवरी तक रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा।

1 किलो 632 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

रीठी पुलिस ने की कार्रवाई, बेचने की फिराक में था आरोपी

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी । रीठी, अवैध मादक पदार्थ बेचने की फिराक में तिराहे पर खड़े एक व्यक्ति को संदेह होने पर पुलिस ने पकड़कर तलाशी ली तो उसके पास 1 किलो 632 ग्राम अवैध मादक पदार्थ का थैला निकला। पुलिस ने आरोपी को थाने में लाकर पूछताछ की और अवैध मादक पदार्थ जप्त करते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाने का स्टाफ मंगलवार को पेट्रोलिंग के लिए निकला था, इसी दौरान रीठी थाना अंतर्गत कैना, टहकारी तिराहे पर मुहांस में एक संदिग्ध व्यक्ति जो काले रंग की जैकिट व ब्लू कलर की जींस पेंट हुए पत्थर की बाउंड्री के किनारे छिपा खड़ा था। बताया गया कि आरोपी अपने हाथ में एक लाल, सफेद रंग का थैला लिए था,

जो पुलिस को देखकर घबराने लगा। उक्त व्यक्ति पर शंका होने पर पुलिस ने उसे घेर पकड़ा और उससे नाम पूछा तो रीठी थाना अंतर्गत ग्राम पटोंहा निवासी 32 वर्षीय विनीत राय पिता राजेश राय होना बताया। हाथ में लिए थैले में क्या है पूछा गया तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जिसकी बाद उक्त थैले की तलाशी ली गई तो उसमें पन्नी में मादक पदार्थ जैसी वस्तु पाई गई। 1 किलो 632 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसकी कुल कीमत 16320 रूपये को जप्त किया गया है तथा आरोप विनीत राय पिता राजेश राय उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम पटौंहा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। बताया गया कि आरोपी विनीत राय के विरुद्ध पूर्व में भी रीठी एवं थाना बाकल में गांजे के अपराध पंजीबद्ध हैं। इस कार्यवाही में रीठी थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय, उप निरीक्षक विनोद पटेल, भोलाराम गुप्ता, राम पाठक, अमन सिंह, शमशेर सिंह, शहंशाह, जफर खान की भूमिका सराहनीय रही है।

जमीन विवाद को लेकर बैठक में गए युवक की संदिग्ध मौत

बेटमा थाने के राजेश चौहान ने 2 वर्ष पहले देपालपुर के खानपुर में तीन बीघा जमीन खरीदी थी जिसकी कीमत करोड़ों में है । जिसको लेकर आए दिन पास के जमीन मालिक छीतर पटेल, शुभम पटेल, मुकेश पटेल आए दिन विवाद करते थे उक्त जमीन पर वह अपना मलिकाना हक बताते थे जिसके चलते सीमांकन की बात को लेकर जमीनी विवाद की तीन बार रिपोर्ट दर्ज हो चुकी थी राजेश चौहान की जान को खतरा बना हुआ था जिसको लेकर कई बार परिवारजनों ने थाने में एवं अन्य अधिकारियों को आवेदन भी दे चुके थे। 5 फरवरी को राजेश देपालपुर गया हुआ था जहां उसने अपने दोस्त अजगर को फोन लगाया कि मैं किसी समस्या में फंसा हूं मुझे यहां से निकाल कर ले चलो। इसके बाद शाम 5:00 बजे राजेश अपने घर आया और अचानक उठकर परिजनों को बिना बताए चला गया। शाम को राजेश के बड़े भाई राकेश को फोन आता है कि आपके भाई ने जहर खा लिया है पुलिस ने जब मामले की हड़ताल की तो पता चला कि राजेश सागौर कुटी स्थित वेलकम ढाबे में गया हुआ था जहां पर उसने जहर खाया है। मर्ग कायम कर लिया है जांच अभी चल रही है। लेकिन वायरल ऑडियो में राजेश जमीन के समझौते को लेकर अपनी पत्नी से कह रहा था कि उदय पूरी महेश पुरी और अशोक चौहान पहलवान के नाम की रिपोर्ट थाने में जाकर दर्ज करवाना यह लोग मुझे परेशान कर रहे हैं जमीन के सौदे को लेकर मुझ पर दबाव बना रहे हैं।

झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त....

जिले में खुशी लहर....

झाबुआ कल झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया को आदिवासी कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किये जाने से झाबुआ-अलीराजपुर जिले में खुशी की लहर है, अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे सा द्वारा एक बडी उपलब्धी झाबुआ जिले को देने से हर्ष व्याप्त है कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की गई है।

उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर का पद मिलने से जिला गौरन्वित है, अ.भा.कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, एवं प्रियकां गांधी, राहूल गांधी की सहमति से जनरल सेक्रेट्री के.सी वेणुगोपाल द्वारा उक्त नियुक्ति की गई है। चूकि डॉ विक्रांत भूरिया वर्तमान में झाबुआ विधायक है तथा इसके पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके है । उनकी कार्य शैली तथा संगठनात्मक कार्य करने की रूची को देखते हुए उन्हे यह पद दिया गया है। डॉ भूरिया को

उक्त पद मिलने से विधायक वीरसिंह भूरिया, जिला कांग्रेस पदाधिकारी मानसिंह मेडा,आशिष भूरिया, निर्मल मेहता, हेमचन्द्र डामोर, शंकरसिंह भूरिया,देवेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री बंटू भाई,महिला कांग्रेस की श्वेता मोहनिया, वीराकुंवर सदस्य जनपद पेचायत रामा, पूर्व विधायक वालसिंह मेडा, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष खूनसिंह गुण्डिया, सेवादल के दिलीप भूरिया,रूपसिंह डामोर,युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश डामोर, हेमेन्द्र बबलु कटारा, लोकेन्द्र बिलवाल, वसीम शेख, एनएसयुआई के नरवेश अमलियार,शहर अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राठौर, दिनेश गारी,ब्लाक अध्यक्षगण काना गुण्डिया झाबुआ, कैलाश डामोर रानापुर, गोवर्धन कुन्दपुर,यामिन शेख,गेन्दला डामोर,ईश्वर पाटीदार,राकेश डामोर, केमता भाई,जितेन्द्र शाह, विजय शाह चन्द्रवीरसिंह राठौर,राजा कुरैशी जनपद पंचायत सदस्य कैलाश बारिया, मानू भाई,पेमाभाई,राहूल वडखिया,शंकरसिंह हटिला, साबिर फिटवेल,रकसिंह,राजेश भूरिया दोतड,देवलसिंह कजावानी, प्रकाश रूपाखेडा रमेश मेडा चोरमाण्डली, रमेश रणीया,रोहित हटिला आदि ने बधाई दी एवं शीर्ष कांग्रेस नेताओं का आभार माना !

डॉ विक्रांत भूरिया ने माना आभार झाबुआ अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर डॉ विक्रांत भूरिया ने प्रेस नोट के माध्यम से शीर्ष कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यावद ज्ञापित करा है डॉ भूरिया ने कहा कि मेरे लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है, मै हृदस से आभार व्यक्त करता हूं कांग्रेस अध्यक्ष मल्किार्जुन खडगेजी, मेरे नेता राहुल गांधीजी, प्रियका गांधीजी, संगठ के महासचिव के.सी.वेणुगोपालजी और के. राजू का जिन्होने मुझ पर विश्वास जताते हुए मुझे आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया । यह जिम्मेदारी केवल एक पद नहीं बल्कि एक मिशन.. यह जिम्मेदारी केवल एक पद नहीं बल्कि एक मिशन है आदिवासी समाज के हक सम्मान और अधिकारों की रक्षा एवं सशक्तिकरण का यह हमारे स्वाभिमान और न्याय की लडाई को और मजबूती देने का अवसर है मै संकल्प लेता हूं कि इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और संघर्ष के साथ निभाउँगा ताकि आदिवासी समाज की आवाज और अधिक प्रभावी और सशक्त हो। साथ ही अपने सभी साथियों और कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का हुदय से धन्यवाद करता हूं जिन्होन हर संघर्ष में केरा साथ दिया।

हाई कोर्ट जस्टिस पहुंचे छिंद मंदिर

बरेली नगर से 9 किलोमीटर दूरी पर स्थित प्रसिद्ध छिंद धाम मंदिर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु दादा के दरबार पहुंचकर माथा टेकते हैं और उनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं दिनों दिन इस प्रसिद्ध धाम की ख्याति बढ़ती ही जा रही है ।हाई कोर्ट जस्टिस श्री पालीवाल मंदिर पहुंचे जहां पर उनका स्वागत सम्मान सर्वप्रथम मंदिर अध्यक्ष कृष्ण कुमार रघुवंशी सहित समिति के द्वारा किया गया तत्पश्चात हाई कोर्ट जस्टिस ने राम दरबार सहित हनुमान जी महाराज की पूजन अर्चना की और देश के लिए सुख समृद्धि की मनोकामना की ।
कुछ समय के लिए जस्टिस मंदिर में स्थित धर्मशाला में रुके जहां पर उन्होंने मंदिर और ग्राम से संबंधित जानकारी मंदिर अध्यक्ष कृष्ण कुमार रघुवंशी से उपलब्ध की ।

प्रबंध संचालक पी. एस. धनवाल व टीम के लगन व मेहनत से खरगोन जिला सहकारी बैंक को मिला प्रदेश में प्रथम स्थान

जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल में किया सम्मानित

सहकर्मियों द्वारा इस उपलब्धि पर किया पी.एस धनवाल का जोरदार स्वागत

खरगोन

भारत सरकार की पैक्स कंप्यूटराइजेशन योजना अंतर्गत सराहनीय कार्य करने के लिए भोपाल में सहकारिता मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग द्वारा प्रबंध संचालक पीएस धनवाल एवं टीम जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रबंध संचालक पी.एस धनवाल ने इस सम्मान को बैंक एवं संस्था के कर्मचारियों को विशेष कर मास्टर ट्रेनर्स रूपक असरोदिया, अभिषेक पालीवाल एवं हितेष पाटीदार को समर्पित करते हुए कहा कि यह सब उनके द्वारा अनुशासित होकर निरंतर किए गए उत्कृष्ट कार्य के कारण ही संभव हो सका है। कर्मचारियों द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन के गौरव को गौरांवित करने के लिए सभी का आभार जताते हुए उन्हें बधाई दी गई। ज्ञातव्य हो कि भारत सरकार द्वारा पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना 29 जून 2022 को नाबार्ड को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त कर लागू की गई थीं। जिससे पैक्स के सदस्यों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने में उनकी दक्षता, पारदर्शिता और समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकेगा तथा पैक्स के संचालन को आधुनिक बनाकर, सेवा वितरण में सुधार व परिचालन लागत को कम करके और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देकर उन्हें मजबूत किया जाएगा। भारत सरकार की पैक्स कंप्यूटराइजेशन योजना लागू होने के बाद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन की पैक्स संस्थाओं में दो वर्षो से अधिक समय तक विभिन्न चरणों में कार्य सम्पन्न करते हुए आज खरगोन जिला सहकारी बैंक प्रदेश का पहला ऐसा बैंक बन गया है जिसकी समस्त पैक्स में कम्प्यूटराईजेशन का कार्य लगभग पूर्ण हो गया।

पाटीदार भोजनालय के संस्थापक नीरज पाटीदार और आर्किटेक्ट विजय पाटीदार ने मोटरसाइकिल से यात्रा कर कुंभ मेला प्रयागराज पहुंच कर रचा इतिहास

भोजनालय के संस्थापक नीरज पाटीदार और आर्किटेक्ट विजय पाटीदार ने अपनी मोटरसाइकिल यात्रा द्वारा कुंभ प्रयागराज तक का सफर तय किया। इस यात्रा ने न केवल उनकी साहसिकता को दिखाया, बल्कि यह भी साबित किया कि मेहनत और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कुंभ मेला प्रयागराज, एक विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन है, और वहां पहुंचने के लिए कई लोग विभिन्न प्रकार के यात्रा तरीके अपनाते हैं। नीरज और विजय पाटीदार का यह सफर एक ऐतिहासिक कदम है जो उनकी लगन और यात्रा के प्रति उत्साह को दर्शाता है। इस प्रकार की यात्राएं प्रेरणा देती हैं और जीवन में साहस और संघर्ष की अहमियत को उजागर करती हैं। नीरज पाटीदार और विजय पाटीदार ने अपनी मोटरसाइकिल यात्रा के दौरान एक अद्वितीय कार्य किया, जिसमें उन्होंने कुंभ प्रयागराज के पवित्र स्थल तक पहुंचने का संकल्प लिया। यह यात्रा केवल भौतिक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक तरह से उनके आत्मविश्वास, साहस और समर्पण का प्रतीक बन गई। नीरज पाटीदार पाटीदार भोजनालय के संस्थापक हैं, जो अपने स्वादिष्ट भोजन और गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी यह यात्रा धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि कुंभ मेला एक बड़ा धार्मिक आयोजन होता है और करोड़ो श्रद्धालु वहां स्नान करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पहुंचते हैं। इस यात्रा में नीरज और विजय ने न केवल अपने खुद के प्रयासों को साबित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि संकल्प और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

कलेक्टर द्वारा आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

झाबुआ आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए 14 फरवरी 2025 को शब-ए-बारात, 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर्व, 01 मार्च 2025 रमजान प्रारंभ, 07 मार्च 2025 से 13 मार्च 2025 तक भगोरिया पर्व, 13 मार्च 2025 को होलीका दहन, 14 मार्च 2025 को धुलेंडी एवं गल-चूल पर्व, 18 मार्च 2025 को रंगपंचमी, 21 मार्च 2025 शीतला सप्तमी, 28 मार्च 2025 को जमात उल विदा, 31 मार्च 2025 को इद-उल-फितर, 10 अप्रैल 2025 को महावीर जयंती,14 अप्रैल 2025 को डॉ. अंबेडकर जयंती, 18 अप्रैल 2025 को गुड फ्राइडे, 30 अप्रैल 2025 को परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया आदि अन्य त्यौहार मनायें जायेंगे। आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वों, अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना लोकहित में समुचित होगा। पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र द्वारा जिले में उक्त त्यौहार / पर्व में समाजजनों द्वारा रैली/जुलूस आदि निकाले जाते हैं अथवा किसी संगठन / आमजन द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाता है, जिससे समाज में लोक परिशांति प्रभावित होती है एवं रैली/ जूलूस के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर सम्मिलित हो जाते है। जिससे अप्रिय घटना घटित होने की प्रबल संभावना रहती है। अत: कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ नेहा मीना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया :- झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मिडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाटसएप, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, इन्टरनेट आदि से ऑपत्तिजनक फोटो, कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करना पूर्णत: प्रतिबंधित होगा । झाबुआ जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम/आयोजन की वीडियोग्राफी कराएंगें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा। प्रशासनिक अनुमति प्राप्त आयोजनों में ऐसे नारे/बैनर / पोस्टर का प्रयोग नहीं किया जायें, जिनसे किसी भी धर्म/वर्गों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे। किसी भी कार्यक्रम के दौरान शस्त्र प्रदर्शन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा पाये जाने की दशा में संबंधित त्रुटिकर्ता के साथ-साथ कार्यक्रम के आयोजक /आयोजकों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाकर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जावेगी। समस्त प्रकार के आयोजनों की अनुमति प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त किया जाने के उपरांत ही आयोजन किया जावेगा। अनुमति प्राप्त नहीं होने पर किये जाने वाले आयोजनों को अवैधानिक घोषित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जावें। चूंकि यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है, व व्यक्तिश: समस्त को तामिल किया जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय पारित किया जाता है। उक्त आदेश 12 फरवरी 2025 से 12 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आवेगा।

कॉलेज व स्कूल के छात्र/छात्राओं की परीक्षा देखते हुए कलेक्टर द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे/बैण्ड/प्रेशर हान) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु व यह देखते हुए कि कॉलेज व स्कूल के छात्र/छात्राओं की परीक्षाएँ निकट है व तेज गति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से छात्र/छात्राओं की परीक्षा की तैयारी में विघ्न उत्पन्न होता है, जिससे परिणाम विपरीत असर पड़ने की संभावना रहती है। उक्त समस्त के आधार पर जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियंत्रण जनहित में आवश्यक है।ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 की धारा 2 (ग) में जिला दण्डाधिकारी को जिले की सीमा में उक्त नियमों को लागू करने हेतु प्राधिकारी बनाया गया हैं। अत: इस प्ररिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ध्वनि द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत् झाबुआ जिले की राजस्व सीमा हेतु आदेशित किया है कि:-

1- झाबुआ जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव/आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा।

2- ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 द्वारा निर्धारित शेडयूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा।

3- रात्रि समय 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा।

चूंकि यह आदेश आम जनता के महत्व का है तथा आम जनता को सम्बोधित है, जिसकी व्यक्तिश: सूचना दी जाना संगत नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत एकपक्षीय पारित किया जाता है।उक्त आदेश 11 फरवरी 2025 से 11 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा, तथा उक्त प्रभावशील अवधि में उक्त आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आवेगा। शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के तारतम्य में आम जन को इस तथ्य से अवगत कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है कि 14 फरवरी 2000 को केन्द्र सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग कर सार्वजनिक स्थलों में विभिन्न स्त्रोतों द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को अधिनियमित किया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदुषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। यह नियम म.प्र. राज्य में भी लागू है। शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर, डी.जे. बैण्ड इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि का स्तर बढ़ता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उल्लघंन के संबंध में उच्चतम न्यायालय, खण्डपीठ ने ध्वनि प्रदूषण पर फैसला देते हुए लाउडस्पीकरों और हार्न के यहां तक कि निजी आवासों में भी इस्तेमाल पर व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें लाउडस्पीकरों, वाहनों आदि से उत्पन्न होने वाले शोर आदि को भी कवर किया गया है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यथासंशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में Ambient Air Quality Standards AI respect of Noice Pollution के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्यौगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है, जो निम्नवत है- औद्योगिक क्षेत्र में प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 75 डेसीबल, रात्रि 10-00 बजे से प्रात: 06.00 बजे तक 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 65 डेसीबल, रात्रि 10-00 बजे से प्रात: 06.00 बजे तक 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 55 डेसीबल, रात्रि 10-00 बजे से प्रात: 06.00 बजे तक 45 डेसीबल, शांत क्षेत्र में प्रात: 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 50 डेसीबल, रात्रि 10-00 बजे से प्रात: 06.00 बजे तक 40 डेसीबल निर्धारित की गई है। म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गत् वर्षों में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों क्रमश: शांत क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में परिवेशीय ध्वनि मापन का कार्य किया गया तथा यह पाया गया हैं कि उक्त क्षेत्रों में ध्वनि का स्तर मानक सीमा से अधिक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है एवं म.प्र. शासन, गृह विभाग वल्लभ भवन के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश प्राप्त हुए है।

बुरहानपुर के माजिद हुसैन ने मध्य प्रदेश में किया टॉप

बुरहानपुर - मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से मंगलवार को शहर का सर फक्र से ऊंचा करने वाली खबर सामने आई है दरअसल यहां के छात्र माजिद हुसैन ने आईआईटी जेईई मेंस 2025 में 99. 9992 परसेंटाइल के साथ मध्य प्रदेश में टॉप कर इतिहास रचा है बुरहानपुर शहर के माइक्रो विज़न एकेडमी स्कूल के छात्र माजिद हुसैन ने यह इतिहास रचा है माजिद की इस असाधारण सफलता से न केवल उनके परिवार और स्कूल बल्कि बुरहानपुर शहर गौरांवित महसूस कर रहा है

सपने सच होने जैसा माइक्रो विज़न एकेडमी स्कूल से जारी प्रेस नोट के मुताबिक माजिद हुसैन की सफलता के पीछे उनके कठिन मेहनत, समर्पण और स्कूल के अनुभवी आईआईटी शिक्षकों का मार्गदर्शन का अहम योगदान है माजिद ने भी अपनी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है मेरे माता-पिता और शिक्षकों ने मुझे हमेशा प्रेरित कर मुझे यह मुकाम हासिल करने में मदद की स्कूल में भी खुशी की लहर वही स्कूल संचालक आनंद चौक से माजिद की सफलता की सरहाना करते हुए कहा कि माजिद हमेशा एक मेहनती और होनहार छात्र रहा है उनकी इस सफलता से स्कूल के साथ-साथ शहर का भी नाम रोशन हुआ है माजिद की उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि दूसरे छात्रों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है

शाहज़हां खान बने एहले इस्लाम सुन्नतवल जमात कुक्षी के सदर

सर्व सहमति से शाहज़हां खान सदर व शेरु शाह नायब सदर बनायें गये

कुक्षी- एहले इस्लाम सुन्नतवल जमात कुक्षी के सदर पद पर सर्व सहमति से शाहज़हां खान व नायब सदर पद पर शेरु शाह को चुना गया। मंगलवार को मुस्लिम समाज जमात खाने में मुस्लिम समाज वरिष्ठजनों की उपस्थिति में आम राय से शाहज़हां खान को एहले इस्लाम सुन्नतवल जमात का सदर व नायब सदर पद पर शेरु शाह को चुना गया। इस अवसर पर सभी समाज ओर बिरादरी समाज के तमाम वरिष्ठजनों की उपस्थिति में। शाहज़हां खान पिछले कई सालों से मुस्लिम समाज की निस्वार्थ सेवा करते आ रहे हैं। मोहर्रम, इद मिलाद-उन-नबी, उर्स आदि पर जलसा जुलूस को शांतिपूर्ण तरिके से सम्पन्न कराने में समाजजनों के जिम्मेदारों के साथ मिलकर शाहज़हां खान ने सराहनीय कार्य किये हैं। शाहज़हां खान को सदर व शेरु शाह को नायब सदर नियुक्त किए जाने पर सम्पुर्ण मुस्लिम समाज में हर्षोल्लास का माहौल व्याप्त है। खासकर मुस्लिम समाज के युवाओं में काफी खुशी का माहौल व्याप्त है। शाहज़हां खान को सदर व शेरु शाह को नायब सदर नियुक्त किए जाने पर मुस्लिम समाज कुक्षी के वरिष्ठजनों तहसील सदर सरफराज खान गब्बर पूर्व सदर नवाज मंसूरी हातिम शाह मुस्तकीम मंसूरी सईद शाह आरिफ मनियार यूसुफ कुरैशी फिरोज बैंड फिरोज शोकत मुंशी नूरु हाजी साहब महमूद कुरैशी मुबारिक मैकेनिक बबलू रंगरेज इकबाल रंगरेज अब्दुल शाह फिरोज पार्षद अमजू शाह वारिस शाह अशरफ हाजी अनीस खान इदरीश कुरैशी शाह सदर सरू शाह बब्बन शाह सोहेब खान फरीद खान इफराज खान गोरी मंसूरी वसीम आबिद मनियार इरशाद खान अन्ना सद्दाम गड्डू आशु मोनू जुनेद बंटी सकलेन गोलू अबरार खान अबसार खान सानू बाबा सानू भाई कोर्ट रज्जाक भाई वाकिब शाह अनीस खान वसीम खान परवेज कुरैशी वसीम कुरैशी सोहेल जेमी जुनेद खान वसीम शाह आतिफ शाह शाकिर किंग अरशद शेरा सोहेल जिद सभी जमात व बिरादरी के सदर साहेबान व मेम्बर के साथ समाज के युवाओं ने मुबारकबाद पेश की*

तुलसी गब्बार्ड बनीं अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर, सीनेट ने दी मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिकी सीनेट ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी है। यह निर्णय 52-48 के वोटों से लिया गया, जिसमें केवल एक रिपब्लिकन सीनेटर, मिच मैककॉनेल ने विरोध में मतदान किया। तुलसी गबार्ड की इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति को लेकर पहले कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने संदेह जताया था, खासकर रूस के प्रति उनके पूर्व बयान और सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद से मुलाकात को लेकर विवाद पैदा हुआ था। पुष्टि के बाद, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने उन्हें बधाई दी।

तुलसी गबार्ड का नया कार्यभार और खुफिया समुदाय में बदलाव

तुलसी गबार्ड अब अमेरिका की 18 खुफिया एजेंसियों के समन्वयक के रूप में कार्य करेंगी। उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों के बीच हुई है। गबार्ड ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा, मैं इस देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करूंगी। हमारा उद्देश्य पारदर्शिता और सुरक्षा के संतुलन को बनाए रखना होगा। उनके नेतृत्व में अमेरिकी खुफिया समुदाय में विदेशी नीतियों और साइबर सुरक्षा के मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव आने की उम्मीद जताई जा रही है। इस नियुक्ति के साथ, यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इन जटिल चुनौतियों से कैसे निपटती हैं।

अमेरिकी सेना में अनुभव और खुफिया कार्य में भूमिका

तुलसी गबार्ड एक पूर्व आर्मी रिजर्व लेफ्टिनेंट कर्नल रह चुकी हैं और अमेरिकी सेना में भी सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अलावा, वह अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य भी रही हैं और 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरी थीं, लेकिन उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने के बाद अपनी दावेदारी वापस लेनी पड़ी थी। पिछले साल उन्होंने ट्रंप के नेतृत्व वाले रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होने का फैसला किया था। गबार्ड ने कई बार कहा है कि हजारों खुफिया कर्मचारी डीप स्टेट के सदस्य हैं, और अब ये जिम्मेदारी सीधे उनके पास होगी।

तुलसी गबार्ड और उनका भारतीय संबंध

हालांकि तुलसी गबार्ड का भारत से कोई सीधा नाता नहीं है, लेकिन उनकी मां ने हिंदू धर्म अपनाया था, जिससे तुलसी का परिवार हिंदू धर्म से प्रभावित हुआ। तुलसी गबार्ड खुद भी हिंदू धर्म को मानती हैं, और जब उन्होंने संसद में शपथ ली थी, तो उन्होंने भागवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी।

डेमोक्रेट पार्टी से राष्ट्रपति पद की दावेदारी

साल 2020 में तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। हालांकि, उन्हें पार्टी से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला, और अंततः उन्होंने अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। गबार्ड की इस कठिन राजनीतिक यात्रा ने उन्हें एक मजबूत और स्वतंत्र नेतृत्वकर्ता के रूप में पहचाना है। उनकी सीनेट द्वारा मंजूरी के साथ, अब वह अमेरिकी खुफिया समुदाय के प्रमुख के रूप में नई जिम्मेदारी निभाएंगी।

ट्रंप की धमकी बाद जॉर्डन का फिलिस्तीनियों को बसाने से इंकार

सिर्फ गाजा के 2000 बीमार बच्चों को देगा शरण

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका दौरे पर गए जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला ने साफ कर दिया है कि उनका देश फिलिस्तीनियों को बसाने की योजना का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, उन्होंने घोषणा की है कि जॉर्डन गाजा के 2000 गंभीर रूप से बीमार बच्चों को अपने यहां इलाज के लिए शरण देगा। इनमें कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चे शामिल हैं, जिन्हें जल्द से जल्द जॉर्डन पहुंचाया जाएगा। मंगलवार को व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के दौरान किंग अब्दुल्ला ने इस फैसले की जानकारी दी। ट्रम्प फिलिस्तीनियों को गाजा से बाहर निकालकर मिस्र और जॉर्डन में बसाने की योजना बना रहे हैं और इस पर सहमति न देने पर दोनों देशों की अमेरिकी आर्थिक मदद रोकने की चेतावनी भी दे चुके हैं।

हालांकि, अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि जॉर्डन फिलिस्तीनियों को स्थायी रूप से बसाने की योजना का हिस्सा नहीं बनेगा। ट्रम्प ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा था कि अमेरिका गाजा में एक नया विकसित शहर बनाएगा, जिसमें लग्जरी घर और रिसॉर्ट होंगे। उनके मुताबिक, गाजा के पुनर्निर्माण की बजाय फिलिस्तीनियों को किसी अन्य स्थान पर बसाना बेहतर विकल्प होगा। इजराइल ने ट्रम्प की इस योजना का समर्थन किया है। इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने सेना को इस योजना के लिए संभावित तैयारियां करने के निर्देश भी दिए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है। गाजा पर शासन कर रहे हमास ने इस प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया है। हमास ने कहा, हमारे लोग 15 महीने से गाजा में संघर्ष कर रहे हैं, अपनी जमीन छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। हम किसी भी पुनर्वास योजना को स्वीकार नहीं करेंगे। गाजा में 15 महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध के चलते करीब 23 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं और लगभग 60त्न इमारतें नष्ट हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इन इमारतों को फिर से बनाने में कई दशक लग सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में जॉर्डन में 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनी शरणार्थी रह रहे हैं, जिनमें से कई को नागरिकता भी मिल चुकी है। वहीं, युद्ध शुरू होने के बाद हजारों फिलिस्तीनी मिस्र भाग चुके हैं, लेकिन मिस्र सरकार उन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से इनकार कर चुकी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित करने के किसी भी प्रयास का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा छोड़ने के लिए फिलिस्तीनियों पर दबाव नहीं डाला जाना चाहिए।अब देखना यह होगा कि जॉर्डन के इस इनकार के बाद ट्रम्प और इजराइल की योजना किस दिशा में आगे बढ़ती है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन से की बात

कहा- हम रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए बातचीत को तैयार

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी फोन पर चर्चा की। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध और शांति की संभावनाओं पर चर्चा की। जेलेंस्की ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने ट्रंप के साथ एक सार्थक बातचीत की और शांति स्थापित करने के तरीकों पर लंबी चर्चा की। जेलेंस्की ने बताया कि इस बातचीत में टीम स्तर पर साथ काम करने की तत्परता, ड्रोन और अन्य उन्नत तकनीकी क्षमताओं पर चर्चा की गई। उन्होंने ट्रंप का धन्यवाद किया और कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस प्रयास में दिलचस्पी दिखाई है। इसके अलावा, सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और संसाधन साझेदारी पर एक नए समझौते की तैयारी भी चर्चा का हिस्सा रही।

जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप ने पुतिन से अपनी बातचीत की जानकारी साझा की और इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के लोग शांति चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर वे रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए आगामी कदमों की योजना बना रहे हैं। दोनों नेताओं ने आगे संपर्क बनाए रखने और आने वाली बैठकों की योजना पर सहमति जताई।

इससे पहले, ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बात की थी, जिसमें यूक्रेन युद्ध, मिडल ईस्ट में तनाव, ऊर्जा, एआई और डॉलर जैसी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर आई खुशखबरी सिर्फ 720 घंटे और...

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी तय समय से पहले हो सकती है। नासा के मुताबिक, मार्च के मध्य तक उन्हें अंतरिक्ष से वापस लाया जाएगा, जो पहले अप्रैल तक टलने की संभावना थी। इसके लिए स्पेसएक्स नए कैप्सूल का उपयोग करेगा, जिससे उनकी वापसी दो हफ्ते पहले संभव हो पाएगी। नासा ने पहले तय किया था कि बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल से विलियम्स और विल्मोर को वापस लाया जाएगा। लेकिन इस कैप्सूल में तकनीकी समस्याएं आईं, जिससे इसे खाली लौटाने का फैसला लिया गया। इसके बाद नासा ने दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए स्पेसएक्स को जिम्मेदारी सौंप दी।

स्पेसएक्स ने इस मिशन के लिए एक नए कैप्सूल की योजना बनाई थी, लेकिन उसकी अतिरिक्त तैयारियों के कारण देरी हो रही थी। इसलिए, नासा ने फैसला किया कि एक पुराने कैप्सूल का उपयोग किया जाएगा, जिसे पहले एक निजी मिशन के लिए तय किया गया था। अब इस बदलाव से 12 मार्च को प्रक्षेपण होगा और 720 घंटे के भीतर विलियम्स और विल्मोर घर लौट आएंगे। इस कैप्सूल का उपयोग पहले पोलैंड, हंगरी और भारत के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए किया जाना था। लेकिन अब इसे विलियम्स और विल्मोर की वापसी के लिए प्राथमिकता दी गई है, जबकि निजी अंतरिक्ष यात्रा को बाद में पुनर्निर्धारित किया जाएगा। नासा की योजना है कि पहले एक नया दल अंतरिक्ष स्टेशन भेजा जाए जिसमें दो अमेरिकी, एक जापानी और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री शामिल होंगे।

बेंगलुरु पुलिस की चेतावनी: कार में नहीं, घर से करें काम! महिला पर लगा जुर्माना

नेशनल डेस्क. बेंगलुरु में एक महिला को कार चलाते समय लैपटॉप इस्तेमाल करना महंगा पड़ गया। यह घटना शहर के आरटी नगर ट्रैफिक जोन में हुई, जहां महिला को लापरवाह ड्राइविंग और तेज गति के लिए चालान भरना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में महिला को स्टीयरिंग व्हील पर लैपटॉप रखकर गाड़ी चलाते हुए देखा गया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने महिला की पहचान की और 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस के उत्तर डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर इस घटना को लेकर पोस्ट किया— घर से काम करें, कार से नहीं! पोस्ट में महिला के ड्राइविंग के दौरान लैपटॉप इस्तेमाल करने का वीडियो भी साझा किया गया।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

– कुछ लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की तारीफ की, जबकि कुछ ने महिला की इस हरकत को बेवकूफी भरा कदम बताया।

–कई लोगों ने ट्रैफिक जाम को जिम्मेदार ठहराया, तो कुछ ने कॉरपोरेट सेक्टर की लंबी वर्किंग आवर्स की संस्कृति को इसकी वजह बताया।

– एक यूजर ने 7 फरवरी को मैण्याटा टेक पार्क के पास हुई ऐसी ही एक घटना का वीडियो शेयर किया, जिसमें एक व्यक्ति भीषण ट्रैफिक के बीच लैपटॉप का इस्तेमाल कर रहा था।

–कुछ ने महिला के प्रति सहानुभूति जताई, लेकिन इस हरकत को खतरनाक बताया। एक यूजर ने तो यह तक कहा कि जिसने महिला को गाड़ी चलाते समय काम करने को कहा, उसे भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

पुलिस की अपील

– ड्राइविंग के दौरान किसी भी तरह का काम करना बेहद खतरनाक है।

– बेंगलुरु पुलिस ने दोबारा ऐसी हरकत न करने की सख्त चेतावनी दी है।

पढ़िए आगरा में हुए सामूहिक हत्याकांड की खौफनाक कहानी

6 हत्याएं, 2 फांसी और अब 12 साल बाद हुई रिहाई

आगरा. उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के अछनेरा के तुरकिया गांव में हुए सामूहिक हत्याकांड में फांसी की सजा पाए गंभीर सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। इसके बाद वह बुधवार की सुबह आगरा सेंट्रल जेल से रिहा हो गया। जेल से बाहर आते ही उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उन्हें भगवान पर भरोसा था। इसके साथ ही उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग भी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हत्याकांड 2012 में हुआ था, जिसमें गंभीर सिंह पर आरोप था कि उसने अपने बड़े भाई सत्यभान, भाभी पुष्पा और उनके चार बच्चों-आरती, महरा, गुड़िया और कन्हैया समेत कुल 6 लोगों की हत्या की थी। यह मामला पहले से ही सुर्खियों में था और अदालतों में लंबा चला था। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर सिंह को बरी कर दिया और इसे एक बड़ी मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

सामूहिक हत्याकांड का मामला

9 मई 2012 को आगरा के तुरकिया गांव में एक ही परिवार के 6 लोगों की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड के लिए गंभीर सिंह को जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि परिवार में उसकी संपत्ति को लेकर विवाद था। पुलिस के अनुसार, इस विवाद के कारण उसने अपने परिवार के 6 लोगों की हत्या कर दी थी। पुष्पा का भाई, जो हत्याकांड के बाद सबसे पहले पुलिस के सामने आया था, उसने गंभीर सिंह को शक के तौर पर नाम लिया था। पुलिस ने इस बयान को आधार मानते हुए गंभीर सिंह और उसकी कजिन गायत्री को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने दो हथियार भी बरामद किए थे, जिनमें एक कुल्हाड़ी और दूसरा ड्रैगर (कटारी) था।

कोर्ट का फैसला

आगरा की सेशन कोर्ट ने गंभीर सिंह को मौत की सजा सुनाई, लेकिन उसने खुद को निर्दोष बताया। इस फैसले के बाद गंभीर सिंह ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपील की, लेकिन हाई कोर्ट ने भी सेशन कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद गंभीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां करीब 6 साल की सुनवाई के बाद, 28 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने उसे बरी कर दिया।

मकसद का न होना

पुलिस ने जो कहानी बताई थी, उसके मुताबिक गंभीर सिंह ने जमीन के विवाद के कारण हत्या की थी, लेकिन इस कहानी के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए गए। पुलिस यह साबित नहीं कर पाई कि जमीन को लेकर गंभीर सिंह और उसके बड़े भाई के बीच कोई विवाद था।

गवाहों की कमी

पुलिस ने किसी ऐसे गवाह को पेश नहीं किया जो यह साबित कर सके कि गंभीर सिंह हत्याकांड के समय मौके पर मौजूद था। इसके अलावा पुलिस ने यह भी नहीं बताया कि गंभीर सिंह को गिरफ्तार करने के समय वह खून से सने कपड़े पहने हुआ था, लेकिन यह जानकारी संदेहास्पद थी क्योंकि पुलिस ने इस कपड़े को 10 किलोमीटर तक पहने हुए घूमते हुए दिखाया था, जो कि असंभव था। पुलिस ने दो हथियार बरामद किए थे, लेकिन इन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने से पहले इन्हें सील नहीं किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569